राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–25 | अंक–09 | मार्च, 2025 | कुल पृष्ठ–32 | मूल्य–₹ 15

राज्य पुरस्कार समारोह में
राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य द्वारा
मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे
को स्मृति चिन्ह भेंट करते स्वागत अभिनन्दन
के यादगार पल तथा
जम्बूरी सम्मेलन शिविर समापन में राज्य सभा
सदस्य श्री मदन राठौड़ को स्मृति चिन्ह
भेंट करते हुए राज्य मुख्यायुक्त
श्री निरंजन आर्य

राज्य पुरस्कार चित्र-विथिका

धन्यवाद बैज

श्री ओमप्रकाश परिहारिया, पाली

श्री कृष्ण कुमार मित्तल, सीकर

श्री विनोद कुमार गोयल, श्रीगंगानगर

श्रीमती गेन्द कँवर, दांतारामगढ़, सीकर

श्री प्रवीण कुमार, झुंझुनू

श्रीमती अनुकम्पा अरड़ावतिया, झुंझुनू

बार टु मेडल ऑफ मेरिट

श्री एम.आर. वर्मा, सी.ओ. सिरोही

श्री महेश कालावत, सी.ओ. झुंझुनू

मेडल ऑफ मेरिट

श्रीमती नीता शर्मा, एएसओसी जयपुर

श्रीमती कृष्णा सैनी, सी.ओ. जयपुर

श्री आलोक शर्मा, सोजत, पाली

श्री नरेन्द्र कुमार स्वामी, रतनगढ़, चूरू

श्री जगदीश नारायण शर्मा, जयपुर

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 25 अंक : 09
मार्च, 2025

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स–स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
आर.पी. सिंह, आई.पी.एस. (से.नि.)
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति–समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

	विषय	पृष्ठ संख्या
•	दिशाबोध	4
•	संपादकीय	4
•	राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह	5
•	डायमंड जुबली जम्बूरी	7
•	राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय	15
•	जयपुर जिला प्रतियोगिता रैली	16
•	नुझे कुछ कहना है : जम्बूरी : सर्वांगीण विकास का आधार	17
•	स्काउट की कलम से : सलाम त्रिची...	18
•	स्काउट की कलम से : वैचारिक आदान–प्रदान	19
•	स्काउट की कलम से : मेरा सौभाग्य : मेरी सहभागिता	20
•	गतिविधि दर्पण	21
•	हमारे महापुरुष : संत तुकाराम	22
•	पर्यटन स्थल : बून्दी	26
•	हमारा स्वास्थ्य : सेहत खरीदी नहीं जाती	28
•	दक्षता पदक : संग्रहकर्ता एवं बागवानी	29
•	गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/– संस्थागत शुल्क:150/–	1200/–

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

जय जय राजस्थान

दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के साथ जीवन के किसी भी ध्येय की प्राप्ति के लिए जो निरन्तर प्रयासरत रहते हैं, उनके पास सफलता खिंची चली आती है। यही हमें डायमंड जुबली जम्बूरी में दिखाई दिया।

मुझे यह कहते हुए अत्यन्त गर्व की अनुभूति हो रही है कि मेरे प्रदेश के स्काउट–गाइड, स्काउटर–गाइडर व हमारे संगठन के समस्त पदाधिकारियों ने पूर्ण मनोयोग और आत्मविश्वास के साथ जम्बूरी में सहभागिता की, जिसके परिणामस्वरूप फिर एक बार अपनी सर्वोत्कृष्टता सिद्ध करते हुए लगातार ग्यारहवीं बार चीफ नेशनल कमिश्नर ध्वजा पर अपना कब्जा बरकरार रखा तथा 'चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड' भी राजस्थान के नाम रही।

मैंने स्वयं देखा कि कैसे एक पूरा समूह किसी ध्येय की प्राप्ति के लिए एकजुट होकर मेहनत करता है। मैंने इन्हें तैयारी करते हुए देखा है। जहाँ अग्रजों का आशीर्वाद हो, और दृढ़ निश्चयी और आत्मविश्वास से लबरेज स्काउट्स गाइड्स का समूह अडिग खड़ा हो, वहाँ जीत हमेशा कदम चूमती ही है।

इस जम्बूरी में विदेशों के एवं देशभर के सभी राज्यों सहित रेल्वे, नवोदय विद्यालय संगठन, केन्द्रीय विद्यालयों से लगभग 15 हजार से भी अधिक स्काउट्स गाइड्स ने भाग लिया। इनमें हमारे राजस्थान का दल 1012 संभागियों के साथ स्पेशल ट्रेन से पहुँचने वाला एक मात्र दल था। हमारे दल की विशेषता यह रही कि इसने बड़ी सहजता, मधुरता और आत्मीयता से जम्बूरी को जिया, हृदयंगम किया और इतनी सहजता व कर्मठता के साथ प्रदर्शन किया कि सफलता हमारे लिए ईश्वर का वरदान बन गई।

राजस्थान दल ने तिरूचिरापल्ली की धरा पर अपने प्रदेश का मस्तक ऊँचा किया। इस विजय को मैं हमारे प्यारे स्काउट–गाइड एवं इससे जुड़े संगठन के समस्त पदाधिकारीगण को जिन्होंने तैयारी करवाई, को समर्पित करते हुए गौरवान्वित अनुभव करता हूँ।

जय हिन्द–जय राजस्थान

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

3 फरवरी का स्वर्णिम विजय घोषणा दिवस, जिस दिन हम त्रिची (तमिलनाडु) जम्बूरी से राष्ट्रीय विजेता का खिताब जीत कर लौटे। प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों का कुशल नेतृत्व व सजग मार्गदर्शन के साथ–साथ स्काउट्स एवं गाइड्स का सतत सुधार का अभ्यास एवं श्रेष्ठ प्रस्तुति इस उपलब्धि को प्राप्त करने में सहायक बने। इस जम्बूरी में हमारा दल अत्यल्प समय की विशेष तैयारियों के साथ सम्मिलित हुआ। अतः यह जम्बूरी पिछली जम्बूरियों से कुछ अलग हटकर चुनौतिपूर्ण थी। त्रिची तक की रमणीय रेल यात्रा ने संभागियों को रोमांचक आनन्द दिया और, गन्तव्य ऐतिहासिक स्थल पर सुहाने मौसम ने सभी संभागियों को आनन्दित व प्रफुल्लित बनाए रखा। आयोजकों द्वारा प्रदत्त उम्दा व्यवस्थाओं ने तो इस जम्बूरी को स्काउट्स गाइड्स की स्मृति में सुखद यादगार बना दिया।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1998 से राष्ट्रीय जम्बूरियों में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का समावेश करते हुए विजेता को पुरस्कृत करने का निर्णय हुआ और सभी को यह बताते हुए हर्षानुभूति है कि तब से अब तक की आयोजित सभी राष्ट्रीय व स्पेशल जम्बूरियों में राजस्थान ने सर्वोच्च स्थान प्राप्त करते हुए राष्ट्रीय विजय पताका को अपने नाम किया है। त्रिची जम्बूरी में राजस्थान दल ने विजय पताका पुनः अपने नाम कर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। जम्बूरी स्थल पर राजस्थान की रंग बिरंगी छटा अपने आप में आकर्षक थी।

आज हमारा मस्तक गर्व से ऊँचा है और निगाहें अगले लक्ष्य की ओर। प्रदेश संगठन के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य जी ने अब प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर संख्यात्मक व गुणात्मक दृष्टि से भी अव्वल बनाने का लक्ष्य रखा है। मेरा आप सभी कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि जिले के शत–प्रतिशत विद्यालयों में स्काउट–गाइड ग्रुप व कम्पनी का पंजीकरण कराने के साथ ही इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए संकल्पभाव से जुट जाएं।

हार्दिक शुभकामनाएं सहित....

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

– स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह

विश्व स्काउट दिवस : 22 फरवरी

स्काउट गाइड मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में जगतपुरा स्थित स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र पर 19 से 22 फरवरी तक आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार रैली का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह सोमवार 22 फरवरी को सायं 4 बजे माननीय राज्यपाल श्रीयुत् हरिभाऊ बागडे के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ।

प्रति वर्ष राज्य स्तरीय स्काउट गाइड रैली का आयोजन किया जाता है, जिसमें वर्ष दौरान राज्य पुरस्कार उत्तीर्ण स्काउट–गाइड को महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाता है। समारोह में स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य, राज्य उपाध्यक्ष श्रीमती मिथलेश शर्मा, स्टेट कमिश्नर आर.पी. सिंह, स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर) डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं अन्य पदाधिकारी, अधिकारी व नागरिक मौजूद रहे।

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने विश्व स्काउट दिवस की शुभकामनाएं देते हुए राजस्थान के कोने–कोने से आये हुए स्काउट–गाइड जिन्हें पुरस्कृत किया गया, को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुझे इस गरिमामयी कार्यक्रम में स्काउट गाइड के बीच आने का मौका मिला उसके लिए आभार। यह संगठन विश्व स्तर का संगठन है, जहां अनुशासन, स्वावलंबन और चरित्र निर्माण की शिक्षा दी जाती है। श्री बागडे ने कहा कि यह एक ऐसा संगठन है जहाँ शिक्षा ही नहीं दी जाती, बल्कि बच्चों में संस्कृति और संस्कार भी डाले जाते हैं। श्री बागडे ने आर्य साहब को उनकी पूरी टीम सहित इस संगठन द्वारा किये जा रहे अच्छे कार्यों के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रदेश में 18 लाख बच्चे इस संगठन से जुड़े हैं यह गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि स्काउट गाइड संगठन नहीं, आदर्श कार्य संस्कृति है। इस संगठन के जरिए प्रयास किया जाए कि नवयुवकों की बौद्धिक क्षमता बढ़े। इसी से भारत सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास की और अग्रसर हो सकेगा। उन्होंने मैकाले द्वारा देश की शिक्षा पद्धति को बदल कर मानसिक रूप से गुलाम किए जाने की चर्चा करते हुए कहा कि इसके तहत भारतीय संस्कृति और शिक्षा परम्परा को बदला गया। उन्होंने अपने स्व और संस्कृति को अग्रणी रखते हुए विकसित भारत के लिए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने राजस्थान में इस संगठन की सर्वाधिक सदस्य संख्या और राष्ट्र स्तर पर पुरस्कार में अग्रणी रहने की सराहना की। उन्होंने समाज और राष्ट्र पर किसी भी विपदा के समय आगे आकर स्काउट गाइड को कार्य किए जाने का

भी आह्वान किया। श्री बागडे ने नई शिक्षा नीति के आलोक में प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा और गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने की आवश्यकता जताई।

स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में समारोह के मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष को धन्यवाद अर्पित करते हुए कहा कि आपकी उपस्थिति हम सभी के लिए गर्व का विषय है। आपका आगमन स्काउट गाइड के लिए अविस्मरणीय अनुभव है। हमें गर्व है कि बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए बना यह संगठन ही एक मात्र ऐसा संगठन है जो विश्व के लगभग सभी देशों में है। प्रदेश संगठन राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोपरि स्थान प्राप्त किए हुए हैं। यह संगठन बच्चों में अच्छे संस्कारों के साथ उन्हें स्वावलम्बन, साहस और देशप्रेम जैसे अनेक सद्‌गुणों से सम्पन्न बनाता है। श्री आर्य ने बताया कि हाल ही में त्रिचि में हुई राष्ट्रीय जंबूरी में राजस्थान स्काउट गाइड ने पूरे राष्ट्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरवान्वित किया है। प्रदेश संगठन अनवरत नियमित रूप से अव्वल बना हुआ है। श्री आर्य ने राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे सहयोग पर भी संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह संगठन अपनी गतिविधियों में और अधिक वृद्धि करेगा।

राज्यपाल श्री बागडे जी ने स्काउट आन्दोलन में वर्ष दौरान प्रशंसनीय, उल्लेखनीय एवं अद्वितीय सहयोग करने के लिए पूर्व सांसद झुंझुनू श्री नरेन्द्र कुमार, पूर्व सांसद सीकर श्री सुमेधानन्द सरस्वती, प्रधानाचार्या झुंझुनू, श्रीमती अनुकम्पा अरडावतिया, पाली के ओमप्रकाश परिहारिया, श्रीगंगानगर के विनोद कुमार गोयल, दांतारामगढ सीकर की श्रीमती गेन्द कंवर, सीकर के कृष्ण कुमार मित्तल, बुहाना झुंझुनू के श्री प्रवीण कुमार को धन्यवाद बैज; सर्कल ऑर्गेनाइजर सिरोही श्री एम.आर वर्मा, सर्कल ऑर्गेनाइजर झुंझुनू श्री महेश कालावत को बार टू मेडल ऑफ मेरिट तथा सहा.राज्य संगठन आयुक्त जयपुर श्रीमती नीता शर्मा, सर्कल ऑर्गेनाइजर जयपुर श्रीमती कृष्णा सैनी, सचिव स्थानीय संघ, रतनगढ़ श्री नरेन्द्र कुमार स्वामी, सचिव स्थानीय संघ, जयपुर श्री जगदीश नारायण शर्मा एवं चन्द्राज स्कूल, सोजत पाली श्री आलोक शर्मा को मेडल ऑफ मेरिट से सम्मानित किया। सभी संभागों के जिलों से आये स्काउट–गाइड,

रोवर रेंजर को राज्य पुरस्कार एवं निपुण के प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि बागडे जी को निरंजन आर्य ने स्कार्फ पहना कर व स्मृति चिन्ह प्रदान कर अभिनन्दन किया।

इस अवसर पर सहभागी स्काउट गाइड बैण्ड स्काउट्स गाइड्स द्वारा पिरामिड प्रदर्शन किया गया। समारोह में स्काउट बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत पर बैंड वादन किया गया, जिसे देख पूरा प्रांगण तालियों से गूंज उठा। गाइड्स ने लोक नृत्य की भावभीनी प्रस्तुति दी।

अन्त में प्रदेश संगठन के स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर) डॉ. अखिल शुक्ला द्वारा मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं गणमान्य नागरिक व स्काउट गाइड के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

प्रति वर्ष राज्य स्तरीय स्काउट गाइड पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जाता है, जिसमें वर्ष के दौरान राज्य पुरस्कार उत्तीर्ण स्काउट–गाइड को राज्यपाल महोदय के हस्ताक्षरयुक्त प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष प्रदेश में 6849 स्काउट व 3538 गाइड्स ने राज्य पुरस्कार तथा 722 रोवर व 795 रेंजर्स ने निपुण के प्रमाण पत्र की योग्यता पूर्ण की। इस प्रकार कुल 11904 प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं।

राष्ट्रगान के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

धन्यवाद बैज

श्री सुमेधानन्द सरस्वती, पूर्व सांसद सीकर

श्री नरेन्द्र कुमार, पूर्व सांसद झुंझुनू

प्रतिवेदन

डायमंड जुबली जम्बूरी

28 जनवरी से 3 फरवरी, 2025 त्रिची (तमिलनाडु)

'Sashakt Yuva - Viksit Bharat'

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली एवं तमिलनाडु राज्य भारत स्काउट व गाइड के संयुक्त तत्वावधान में 28 जनवरी से 3 फरवरी 2025 तक त्रिची के मन्नपराई स्थित सिपकोट औद्योगिक पार्क में डायमंड जुबली स्काउट गाइड जम्बूरी का भव्य आयोजन किया गया। भारत स्काउट व गाइड की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस डायमंड जुबली जम्बूरी का आयोजन किया गया। जम्बूरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु चल रही पूर्व तैयारियों को स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य, स्टेट कमिश्नर श्री आर.पी. सिंह, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरण सिंह शेखावत, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल एवं का.राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) सुश्री सुयश लोढ़ा ने अन्तिम रूप प्रदान किया।

जम्बूरी में सहभागिता से पूर्व जयपुर के जगतपुरा स्थित राज्य प्रशिक्षण केन्द्र पर 22 से 24 जनवरी, 2025 तक जम्बूरी तैयारी शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश के समस्त जिलों से राजकीय एवं निजी विद्यालयों से 1000 से अधिक स्काउट–गाइड एवं लीडर्स की सहभागिता रही। इस हेतु राज्य स्काउट गाइड प्रशिक्षण केन्द्र जगतपुरा, जयपुर में तद्नुरूप आवास, शौचालय, स्नानघर, जल, बिजली, चिकित्सा आदि भौतिक सुविधाओं की माकूल व्यवस्था की गई। अतिथियों हेतु आकर्षक मंच एवं संभागियों के बैठने के लिए एरिना के दोनों तरफ दर्शक दीर्घा का निर्माण करवाया गया।

जम्बूरी तैयारी शिविर में संभागियों की हौसला अफजाई एवं उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष श्री मदन राठौड़, स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य, स्टेट कमिश्नर श्री आर.पी. सिंह, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं अनेक प्रशासनिक अधिकारियों व विशिष्ट जनों ने शिरकत की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री मदन राठौड़ ने 23 जनवरी को डायमंड जुबली जम्बूरी सम्मेलन शिविर में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। जगतपुरा स्थित स्काउट प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में श्री मदन राठौड़ ने कहा कि स्काउटिंग युवाओं को शैक्षिणक कौशल, आत्मविश्वास, नैतिकता, नेतृत्व कौशल और नागरिकता कौशल विकसित करने में मदद करती है। श्री राठौड़ ने कहा कि स्काउटिंग समाज सेवा में योगदान देने के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसमें व्यक्तित्व का विकास तो होता ही है इसके साथ ही एक अच्छा नागरिक कैसे बनें, यह भी सिखाया जाता है। स्काउट प्रशिक्षण के दौरान सिखाया गया अनुशासन व्यक्ति को जीवनभर प्रभावित करता है। स्काउट की ओर से लगने वाले जम्बूरी कैम्प में देशभर के बच्चों को एकत्रित कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाता है। इतना ही नहीं, सरकार की ओर से सैन्य क्षेत्र की नौकरी में स्काउट के बोनस अंक भी दिए जाते है।

मण्डलवार स्काउट्स–गाइड्स, संचालक दल, चिकित्सा एवं अन्य की निम्नानुसार सहभागिता रही :

डायमंड जुबली जम्बूरी में प्रदेश से सहभागिता

क्र.सं.	मण्डल	स्काउट	स्काउटर	गाइड	गाइडर	योग
1.	अजमेर	56	07	56	07	143
2.	भरतपुर	48	06	32	04	101
3.	बीकानेर	64	08	40	05	131
4.	जयपुर	64	08	40	05	135
5.	जोधपुर	94	13	53	06	178
6.	कोटा	59	08	33	04	118
7.	उदयपुर	87	11	56	07	189
8.	राज्य मुख्यालय स्टाफ					25
9.	मेडिकल टीम					03
10.	फोटोग्राफर एवं सर्विस रोवर रेंजर					08
	योग	472	61	310	38	1012

रेल सफर

शुक्रवार, 24 जनवरी, 2025 को सांय 6 बजे राजस्थान दल के 1012 स्काउट गाइड स्काउटर गाइडर व स्टाफ की स्पेशल ट्रेन को जयपुर की सांसद श्रीमती मंजु शर्मा व राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने खातीपुरा रेलवे स्टेशन से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। सांसद महोदया ने पूरे दल को शुभकामनाएं देते हुए जम्बूरी में राजस्थान का परचम फहराने का आव्हान किया। श्री आर्य ने कई स्काउट गाइड से वार्ता की और उनकी तैयारियों के बारे में जाना। रेल के लोको पायलेट और गार्ड का मुँह मीठा कर हरी झण्डी दिखाकर रेल को रवाना किया। 18 बोगी व 2 एसएलआर की स्पेशल रेल से हँसते, मुस्कुराते, खेलते, कूदते, गाते, नाचते बच्चें लगभग 55 घण्टे का आरामदायक सफर तय करते हुए 27 जनवरी की प्रातः 1 बजे त्रिची रेलवे स्टेशन पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर स्थानीय प्रशासन ने पूरे दल को बिस्किट पैकेट, पानी व ज्यूस बॉटल प्रदान कर वेलकम किया।

2 दिन के सफर में प्रत्येक दिन 2 बार आईआरसीटीसी से भोजन व पानी की व्यस्था के कारण सभी का सफर निष्फिक्र व निर्बाध रूप से पूरा हुआ। सफर के दौरान 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस भी रेल में ही राष्ट्रगान व बैण्ड की मधुर धुन के साथ मनाया गया। जम्बूरी के पश्चात वापसी का सफर 3 फरवरी को दोपहर 3 बजे प्रारम्भ हुआ और 5 फरवरी की रात्रि 11 बजे जयपुर पहुंच कर जम्बूरी यात्रा की समाप्ति हुई। वापसी में भी प्रत्येक दिन 2 बार भोजन व पानी की व्यवस्था से सभी का सफर निश्चिन्ता के साथ पूरा हुआ।

प्रदर्शनी देखने उमड़ा जन-सैलाब

जम्बूरी के दूसरे दिन प्रतियोगिता के तहत सभी प्रदेशों के संभागियों ने अपने–अपने राज्यों की जानकारी, कला, संस्कृति एवं योजनाओं को दर्शाने के लिए प्रदर्शनी का आयोजन किया।

राजस्थान प्रदेश के संभागियों ने अपनी विशाल प्रदर्शनी में विभिन्न पोस्टर्स, वस्तुओं व जीवंत प्रदर्शन द्वारा राजस्थान की कला एवं संस्कृति को प्रदर्शित किया। वहीं प्रदेश में चल रही राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का व्यापक प्रस्तुतिकरण किया। इसकी कार्यविधि, कार्य प्रणाली व अब तक प्राप्त सफलता के आकड़ों को चित्रों व हस्तनिर्मित मॉडल्स द्वारा प्रदर्शित किया। प्रदेश में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा व ऊर्जा संरक्षण में राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश ने सर्वोच्च स्थान बनाया है, से भी आगन्तुकों को अवगत करवाया।

प्रदेश में आंचलिक स्तर पर विख्यात कलाओं यथा सांगानेरी प्रिन्ट, बगरू प्रिन्ट, कोटा डोरिया, बन्धेज आदि का स्काउट–गाइड ने आगन्तुकों के सम्मुख प्रायोगिक प्रदर्शन कर प्रदेश की इन कलाओं की विधि, सामग्री एवं तरीकों से अवगत कराया। ऊर्जा संरक्षण, वाटर हार्वेस्टिंग आदि कार्यों को मॉडल द्वारा दर्शाया। प्रदेश के पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों, धार्मिक स्थलों, परिधानों, गहनों, लकड़ी व लाख के उत्पादों आदि का विहंगम प्रस्तुतिकरण रंग–रंगीलो राजस्थान की आन–बान–शान को दर्शा रहा था।

राजस्थान दल द्वारा लगाई प्रदर्शनी की लोकप्रियता का आलम यह था कि अन्य प्रदेशों के संभागियों एवं विजिटर्स का जन–सैलाब उमड़ पड़ा। अनुमानित तौर पर लगभग 5 से 8 हजार लोगों ने प्रदेश की प्रदर्शनी को देखा और खुले शब्दों में प्रशंसा की तथा स्काउट गाइड को उनके द्वारा की गई मेहनत पर बधाई दी।

उद्घाटन समारोह

डायमंड जुबली जम्बूरी

28 जनवरी, 2025

28 जनवरी, 2025 को दोपहर 4 बजे तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री श्री उदयनिथि स्टालिन के मुख्यातिथ्य, में डायमंड जुबली जम्बूरी का उद्घाटन समारोह प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम के प्रारम्भ में सभी अतिथियों का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री श्री उदयनिथी स्टालिन ने ऐतिहासिक हीरक जयंती जम्बूरी का उद्घाटन करते हुए कहा कि स्काउटिंग और गाइडिंग युवाओं में संस्कृति और नेतृत्व कौशल को विकसित करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है। जम्बूरी का थीम भारत के युवाओं के सशक्तिकरण को दर्शाती है। स्काउटिंग कौशल, जीवन कौशल, सामुदायिक उन्मुख कौशल और ऐसे अन्य कौशल को बढ़ावा देता है। तमिलनाडु सरकार ने इस आयोजन के लिए 29 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

उन्होंने इस मेगा इवेंट को सफल बनाने के लिए इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं की हार्दिक सराहना की। अपने संबोधन में उन्होंने यह भी कहा कि इस आयोजन ने सात नए विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं। उपमुख्यमंत्री ने अपने प्रेरक भाषण में स्काउट गाइड आंदोलन की प्रशंसा युवाओं को भविष्य के नेताओं में बदलने के आंदोलन के रूप में की।

इससे पहले, उपमुख्यमंत्री का स्वागत माननीय शिक्षा मंत्री श्री अंबिल महेश पोय्यामोझी, अध्यक्ष, तमिलनाडु राज्य भारत स्काउट व गाइड, श्री अनिल कुमार जैन, भारत स्काउट व गाइड के अध्यक्ष और डॉ. के.के. खंडेलवाल, मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त तथा श्री निरंजन आर्य, स्टेट चीफ कमिश्नर–राजस्थान ने किया। श्री स्टालिन ने मैदान में पहुंचने से पहले ग्लोबल डेवलपमेंट विलेज का उद्घाटन किया। जम्बूरी एरिना में पहुंचने पर, परेड की समीक्षा करने के लिए राजस्थान की कलर पार्टी ने उनका स्वागत किया। उन्हें मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. खण्डेलवाल ने खुली जीप में जम्बूरी का निरीक्षण करवाया।

तमिलनाडु के पारंपरिक प्रार्थना गीत के बाद स्काउट गाइड प्रार्थना और स्काउट गाइड ध्वज फहराने के साथ उद्घाटन समारोह की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि ने सभी राज्यों की मार्चिंग टुकड़ियों की सलामी ली।

मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त ने अपने स्वागत भाषण में लॉर्ड बेडेन पॉवेल के पड़पोते श्री डेविड पॉवेल और वॉस्म अधिकारियों सहित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। सभी अतिथियों को शिक्षा मंत्री ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। श्री स्टालिन ने पोस्ट मास्टर जनरल की उपस्थिति में हीरक जयंती जम्बूरी के उपलक्ष्य में विशेष डाक कवर और डाक टिकट जारी किए।

श्री अनिल कुमार जैन, अध्यक्ष, भारत स्काउट व गाइड ने अपने प्रेरक भाषण में सदस्यों को कल के नेताओं के रूप में प्रेरित किया और युवाओं को 'जीने और बढ़ने' की सलाह देते हुए कहा कि यह जम्बूरी केवल भारत स्काउट व गाइड के इतिहास के अतीत का उत्सव नहीं है बल्कि हमारे मिशन की निरंतरता है। संस्कृति की विविधता के लिए गहरा सम्मान रखें। स्काउटिंग प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने और मूल्यों को प्रदर्शित करने का एक अविश्वसनीय मंच है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि 2025 के अंत तक एक करोड़ सदस्यता का लक्ष्य, आंदोलन के सभी सदस्यों के प्रयासों से पूरा होगा।

माननीय स्कूल शिक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में आंदोलन के आदर्शों और भारत में स्काउटिंग और गाइडिंग के इतिहास की यादों की प्रशंसा की। उन्होंने जंबूरी में मौजूद लगभग 15 हजार सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तमिलनाडु सरकार की विभिन्न एजेंसियों की उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना की।

श्री एम. प्रदीप कुमार, आईएएस, जिला कलक्टर तिरुचिरापल्ली ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

उद्घाटन समारोह के अवसर पर मुख्य मंच पर तमिलनाडु राज्य के मंत्रीगण एवं अधिकारियों के अतिरिक्त राजस्थान प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों के अन्तर्गत राजस्थान के स्काउट–गाइड की कलर पार्टी द्वारा ध्वजारोहण किया गया, राजस्थान बैण्ड ने अपनी मधुर धुनों से ऐरिना को गुंजायमान किया तथा स्काउट गाइड ने महाराणा प्रताप की शौर्य गाथा के चित्रण को प्रदर्शित करते हुए ढाल–तलवार के साथ शारीरिक प्रदर्शन कर सबका ध्यान आकर्षित किया।

डायमंड जुबली जम्बूरी

तीसरा दिन साहसिक गतिविधियों के नाम

स्काउट–गाइड ने पूरे जोश व उल्लास के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया

भव्य और उत्साह–उल्लास से पूर्ण 7 दिवसीय जम्बूरी के तीसरे दिन साहसिक गतिविधियों की प्रतियोगिताओं में स्काउट्स–गाइड्स ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। जम्बूरी में पहली बार भाग ले रहे विद्यालयों के युवक–युवतियों ने पूरे जोश व उल्लास के साथ इन साहसिक प्रतियोगिताओं में सहभागिता कर अपनी निडरता, आत्मविश्वास एवं विषम परिस्थितियों से लड़ने के जज़्बे का परिचय दिया।

साहसिक गतिविधि प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत स्टिक वॉक, कमाण्डो ब्रिज, मंकी ब्रिज, कमाण्डो क्रोसिंग, लेडर, बेलेन्सिंग, मंकी क्रोलिंग, हॉरिजेंटल बार पर झूलना, तैरता झूला, टायर वाल, टायर चिमनी, टायर टनल, वॉल क्लाइम्बिंग, गन शूटिंग, तीरंदाजी, ब्लाइण्ड ट्रेल, रस्से पर चढ़ना, हेंगिंग टायर, पोस्टर बनाना, बास्केट बॉल व अन्य रोचक एवं साहसिकता से भरी गतिविधियों में प्रतिभागी बन कर स्काउट्स व गाइड्स ने अपने–अपने उत्साह के साथ सहभागिता की।

कमाण्डो ब्रिज, वॉल क्लाइम्बिंग व मंकी क्रोलिंग जैसे अनेक साहसिक प्रदर्शन के लिए जब गाइड्स (युवतियाँ) आगे बढ़ीं तो एकाएक उन्हें डर की अनुभूति हुई, परन्तु देखते ही देखते सभी बाधाओं को पार करते हुए जब वे आगे बढ़ती चली गई तो अन्य में भी जोश का समागम हुआ।

इन गतिविधियों का मकसद युवाओं में साहस व आत्मविश्वास के संचार के साथ ये अहसास करवाना है कि वे भी इस देश के लिए वह सब कर सकते हैं जो देश की सीमा पर तैनात फौजी या देशभक्त कर सकने में पारंगत हैं।

साहसिक गतिविधियों के साथ ही फन एक्टिविटि व पायनियरिंग प्रोजेक्ट प्रतियोगिताएं भी सम्पन्न हुई। जिसमें राजस्थान के स्काउट्स द्वारा 70 फीट ऊँचा वॉच टावर बनाया गया, जो जम्बूरी में 'ए' ग्रेड प्राप्त कर प्रथम रहा।

राजस्थान दिवस

प्रदेश की सभ्यता व संस्कृति का प्रतिबिम्ब

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड द्वारा डायमंड जुबली जम्बूरी का 29 जनवरी का सायंकालीन सत्र 'राजस्थान दिवस' के लिए यादगार रहा। प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य के मुख्य आतिथ्य एवं स्टेट कमिश्नर श्री आर.पी. सिंह के विशिष्ट आतिथ्य में त्रिची में राजस्थान दिवस के आयोजन ने प्रदेश की परम्पराओं, सभ्यता व संस्कृति से रूबरू कराया।

राजस्थान दिवस में भारत और विदेशों से आए हुए विभिन्न स्काउट गाइड पदाधिकारी सम्मिलित हुए। मेहमानों का स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया। सभी अतिथियों को राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त श्री पूरण सिंह शेखावत एवं सुश्री सुयश लोढ़ा द्वारा स्मृति चिन्ह तथा पाली (राजस्थान) में आयोजित की गई 18वीं जम्बूरी की कॉफी टेबल बुक भेंट की गई।

श्री आर्य ने अपने सम्बोधन में जम्बूरी को उपयोगी व यादगार बताते हुए प्रदेश के बच्चों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये बधाई व सफलता के लिये शुभकामना दी। साथ ही कहा कि राजस्थान गत कई जम्बूरियों में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश को गौरवान्वित करता रहा है और इस बार भी निश्चित ही प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने इतिहास को दोहराएगा। श्री आर्य ने इस अवसर पर पधारे अन्य प्रदेशों के पदाधिकारियों को राजस्थान आकर राजस्थान की संस्कृति, कला व ऐतिहासिक विरासत को देखने का निमंत्रण दिया।

स्काउट गाइड द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्काउट गाइड संगठन नहीं है वह आदर्श विचार है, जिसके जरिए नई पीढ़ी में छिपी ऊर्जा को राष्ट्रहित के कार्यों में लगाया जा सकता है। जम्बूरी के अंतर्गत देश के भिन्न भिन्न भागों से आए स्काउट–गाइड की चर्चा करते हुए कहा कि भिन्न भाषा, भौगोलिकता, परिवेश, भिन्न परम्पराओं के बावजूद भारत एकता के सूत्र में बंधा है। आत्मीयता और अपनेपन की यह संस्कृति और कहीं नहीं मिलेगी।

वनस्थली विद्यापीठ, निवाई टोंक की गाइड्स ने लोक नृत्य प्रस्तुत किये तथा पाली के बच्चों ने बेंड की अपनी मधुर धुनों से प्रांगण को गुंजायमान किया। प्रदेश की लोक धुनों के चुम्बकीय आकर्षण से सभी अतिथिगण अपने आप को रोक न सके और करतल ध्वनि से उनके मनोबल को बढ़ाया।

ढाल–तलवार के साथ महाराणा प्रताप की याद में शानदार प्रस्तुति ने सभी को हर्षित व गौरवान्वित कर खूब तालियां बटोरी। प्रदेश की जनजाति व आदिवासी लोकनृत्य का प्रदर्शन भी किया गया।

राजस्थान दिवस आयोजन में प्रत्येक प्रदेश के प्रतिनिधियों ने तथा राष्ट्रीय मुख्यालय के पदाधिकारियों ने सहभागिता की।

इसके पश्चात फूड प्लाज़ा में राजस्थानी व्यंजनों का सभी आगंतुकों ने लुत्फ उठाया। फूड प्लाज़ा में राजस्थान के आंचलिक खान–पान के विविध प्रकार के लगभग 100 से अधिक तीखे–खट्टे–मीठे व्यंजनों यथा दाल–बाटी–चूरमा, बीकानेरी भुजिया, गजक, कैर–सांगरी, बाजरे की रोटी–खीचड़ा, मक्का का दलिया व रोटी, गोंदपाक, गट्टे की सब्जी व पुलाव, खीर मोहन, खुरमानी, कत्त–बाफला, मावे की कचोरी, दाल की पकोड़ी, मिर्ची बड़ा आदि अनेक प्रकार के खान–पान का आगंतुकों ने रसास्वादन किया।

समापन समारोह

डायमंड जुबली जम्बूरी का औपचारिक समापन समारोह 2 फरवरी, 2025 को दोपहर 4 बजे तमिलनाडु राज्य के माननीय मुख्य मंत्री श्री एम.के. स्टालिन के मुख्यातिथ्य, शिक्षा मंत्री श्री भारत स्काउट व गाइड के चीफ नेशनल कमिश्नर डॉ. के.के. खण्डेलवाल व तमिलनाडु राज्य भारत स्काउट व गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री स्टालिन ने जम्बूरी में सहभागिता कर रहे स्काउट्स–गाइड्स को अपने जीवन में इस संगठन के नियमों और प्रतिज्ञा के साथ आगे बढ़ते हुए ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया। सभी राज्यों के स्काउट गाइड को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए कहा कि जम्बूरी का आयोजन एक तरह से लघु भारत का दर्शन है। उन्होंने विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और जज्बे को सराहा। स्काउट गाइड संगठन को नित् नये आयाम स्थापित करने के लिए बधाई दी।

डॉ. खण्डेलवाल ने पधारे हुए समस्त अतिथियों का शाब्दिक स्वागत करते हुए बताया कि जम्बूरी में यह पहला अवसर है जब इतने कम समय में तमिलनाडु सरकार द्वारा बेहतरीन आयोजन किया है। तमिलनाडु के स्टेट चीफ कमिश्नर ने गत 5 दिनों में आयोजित समस्त विशिष्ट कार्यक्रमों की जानकारी भी दी।

इस दौरान पधारे अतिथियों का प्रतीक चिन्ह देकर अभिनन्दन किया गया। समारोह में तमिलनाडु सरकार के शिक्षा मंत्री, स्काउट गाइड संगठन के पदाधिकारी एवं अन्य राष्ट्रों के प्रतिनिधि मंच पर उपस्थित रहे।

समापन समारोह में ऐरिना में सभी प्रदेशों के संभागियों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया, तत्पश्चात् सभी प्रदेशों के स्काउट गाइड ने बैण्ड की अगुवाई में ध्वज को सलामी देते हुए मार्चपास्ट किया।

राजस्थान ने फहराया परचम

डायमंड जुबली जम्बूरी

3 फरवरी को डायमंड जुबली जम्बूरी का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ।

इस अवसर पर जम्बूरी में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये राजस्थान को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर 'चीफ नेशनल कमिश्नर ध्वजा' प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। राजस्थान ने स्काउट विभाग में प्रथम व गाइड विभाग में प्रथम स्थान के साथ समग्र प्रदर्शन में प्रथम स्थान के साथ अपना परचम फहराया।

राजस्थान के स्काउट गाइड ने प्रदेश की आन–बान–शान को कायम रखते हुए कड़ी मेहनत और बुलंद हौसलों के साथ प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया।

जम्बूरी में आयोजित विविध प्रकार की 22 प्रतियोगिताओं में से 21 में 'ए' ग्रेड प्राप्त कर प्रथम स्थान की पताका अपने नाम की। राजस्थान के स्काउट गेट, गाइड गेट, केम्प क्राफ्ट, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, बैण्ड, कलर पार्टी, शारीरिक प्रदर्शन, मार्चपास्ट, स्टेट एक्जीबिशन इत्यादि में 'ए' ग्रेड प्राप्त कर राष्ट्रीय जम्बूरी में अपने विजयी अभियान को जारी रखा।

राजस्थान की इस जीत पर प्रदेश संगठन के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए सभी स्काउट गाइड को बधाई अर्पित करते हुए उनकी कड़ी मेहनत और जज्बे को इस जीत का फल बताते हुए कहा कि इस जीत ने प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है।

उल्लेखनीय है की राजस्थान 1998 से अब तक की आयोजित जम्बूरियों में सदैव अव्वल रहा है। डायमंड जुबली जम्बूरी में प्राप्त अवार्ड व ग्रेड की सूचीः–

(अ) सर्वोच्च अवार्डः

नेशनल कमिश्नर शील्ड (स्काउट विभाग)	राजस्थान
नेशनल कमिश्नर शील्ड (गाइड विभाग)	राजस्थान
चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड व पताका	राजस्थान

(ब) स्काउट एवं गाइड की विंगवार गतिविधियां एवं प्राप्त स्तरः

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	स्काउट	गाइड
1.	कैम्प क्राफ्ट	ए	ए
2.	मार्च पास्ट	ए	ए
3.	स्टेट गेट	ए	ए
4.	व्यायाम प्रदर्शन	ए	ए
5.	कैम्प फायर	ए	ए
6.	स्काउट/गाइड कला प्रदर्शन	ए	ए
7.	पायनियनिंग प्रोजेक्ट (स्काउट)	ए	–
8.	रंगोली (गाइड)	–	ए

(स) स्काउट एवं गाइड की संयुक्त गतिविधियां एवं प्राप्त स्तरः

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	प्राप्त स्तर
1.	कलर पार्टी	ए
2.	लोकनृत्य	ए
3.	झांकी प्रदर्शन	ए
4.	एथनिक फैशन शॉ	बी
5.	प्रदर्शनी	ए
6.	फूड प्लाज़ा	ए
7.	स्किल–ओ–रामा	ए
8.	बैण्ड	ए

राज्य पदाधिकारियों का सान्निध्य

27 जनवरी की प्रातः जब राजस्थान दल जम्बूरी स्थल पहुँचा तो एक विरान–सुनसान क्षेत्र दिखलाई दिया, जहाँ तमिलनाडू और 3–4 राज्यों के स्काउट गाइड संगठन एवं राष्ट्रीय मुख्यालय के पदाधिकारी, ऑर्गेनाइजर्स व कार्यकर्ता तथा सर्विस रोवर–रेंजर के अलावा और कुछ भी नहीं था। बसावट के नाम पर कुछ टेण्ट ही आबाद थे। राजस्थान के 1000 से अधिक स्काउट–गाइड ने अपनी चिर–परिचित शैली में तम्बुओं की सजावट व कैम्प क्राफ्ट से दोपहर तक जम्बूरी स्थल पर अपनी मौजूदगी का अहसास सभी को कराया। देखने वालों ने दूर से देखते ही अंदाजा लगा लिया कि राजस्थान का दल जम्बूरी स्थल पर आ गया है। चारों ओर लहराते रंग–बिरंगे झण्डे, रंगोली से चमचमाते आँगन और बाँस–रस्सी से बने हुए विविध प्रकार के क्राफ्ट राजस्थान को अलग पहचान देते हैं।

प्रदेश संभागियों के इस जज्बे और हौसलों को बनाये रखने के लिए प्रदेश संगठन के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य, स्टेट कमिश्नर श्री आर.पी. सिंह ने जम्बूरी स्थल पहुँच कर मार्गदर्शन प्रदान किया। शिविरार्थियों के रहन–सहन एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया व जम्बूरी स्थल का निरीक्षण किया। शिविर निरीक्षण के दौरान श्री आर्य ने संभागियों से वार्ता कर सुविधाओं एवं जम्बूरी तैयारियों की जानकारी ली तथा राजस्थान दल को आवंटित स्थल पर दूर से नज़र आते झण्डों एवं राजस्थान के स्काउट व गाइड गेट के विहंगम दृश्य को अद्‌भुत बताया।

प्रदेश के संभागियों को मार्गदर्शन एवं शुभाशिर्वाद प्रदान करने प्रदेश के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य के त्रिची आगमन पर उनके सान्निध्य से राजस्थान दल में ऊर्जा का संचार हुआ।

राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय

26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह

राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय जगतपुरा जयपुर के गणतंत्र दिवस समारोह मुख्य अतिथि श्रीमान निरंजन आर्य साहब स्टेट चीफ कमिश्नर के आथित्य में संपन्न हुआ। श्री आर्य ने राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संविधान के प्रति सजगता तथा दायित्व व कर्तव्यों से अवगत कराया गया।

विद्यार्थियों ने राष्ट्रभक्ति की मधुर धुनों का बैंड वादन किया तथा पिरामिड बनाकर शारीरिक कौशल व सुदृढ़ता एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया।

हार्दिक बधाई

राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय जगतपुरा जयपुर की कक्षा 8 के तीन विद्यार्थियों विकास गुर्जर, मयंक शर्मा तथा युग सिंह को जिला मेरिट में आने पर राजस्थान सरकार द्वारा टैबलेट, सिम प्रदान किए गए। माननीय राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने विद्यार्थियों को टैबलेट व सिम प्रदान कर सम्मानित किया।

युग सिंह के अभिभावक

विकास गुर्जर

मयंक शर्मा

जयपुर जिला प्रतियोगिता रैली

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में मण्डल प्रशिक्षण केन्द्र, गोविन्दपुरा रोपाडा, जयपुर पर दिनांक 13 से 18 फरवरी 2025 तक 6 दिवसीय जिला स्तरीय डायमंड जुबली स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली का आयोजन किया गया। इसमें संपूर्ण जयपुर जिले के 20 स्थानीय संघों से लगभग 2387 संभागियों ने सहभागिता की।

दिनांक 14 फरवरी को रैली का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त स्काउट श्री पूरण सिंह शेखावत, पार्षद श्री छोटूराम मीणा, व्यापार संघ अध्यक्ष श्री मुकुट शर्मा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री दामोदर प्रसाद शर्मा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। समारोह के पश्चात प्राथमिक सहायता, पेट्रोल पायनियरिंग, टेंट पीचिंग, ऐस्टीमेशन आदि प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गई, जिसमें रैली में संभागित्व कर रहे स्काउट गाइड ने बढ–चढ कर भाग लिया।

राजस्थान संगठन के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य द्वारा जम्बूरी का निरीक्षण किया गया। श्री आर्य ने सभी तम्बूओं में जाकर की जा रही तैयारियों का अवलोकन किया। स्काउट गाइड से रैली व्यवस्थाओं एवं तैयारियों के बारे में वार्ता कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

सी.ओ. (स्काउट) शरद शर्मा ने बताया कि रैली के दौरान स्थानीय संघवार क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एडवेंचर गतिविधियों में मंकी ब्रिज, कमांडो ब्रिज, मंकी क्राउलिंग, रस्सी पर चढ़ना, टायर टनल, हाइड्रो क्लोरिक, लेडर क्रॉसिंग, टायर वॉल, बैलेंस बीम, रस्सी कूद, डिब्बे गिरना, रिंग फंसाना जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए सभी को बहुत ही आनंद आया। वैग्स की फ्री बीइंग मी, सर्फ स्मार्ट 2.0, पर्यावरण परिवर्तन जैसी गतिविधियों में भी स्काउट गाइड ने भाग लेकर एसडीजी गोल्स को समझा।

सी.ओ. (गाइड) ऋतु शर्मा ने बताया कि विद्यार्थियों को दो दलों में बांटा कर नगर भ्रमण के लिए जयपुर शहर के विभिन्न सांस्तिक एवं ऐतिहासिक दर्शनीय स्थलों के भ्रमण के

शेष पृष्ठ सं. 25 पर

मुझे कुछ कहना है

जम्बूरी : सर्वांगीण विकास का आधार

रेंजर दिव्या मेनारिया
बड़ी सादड़ी, चित्तौड़गढ़

स्काउट व गाइड जंबूरी यानी स्काउट व गाइड परिवार का एक विशाल मेला। जहां विभिन्न प्रांतों से स्काउट गाइड एकत्रित होते हैं, जहां विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से संस्कृति का आदान–प्रदान होता है। डायमंड जुबली जंबूरी मेरे जीवन के सबसे बेहतरीन अनुभवों में से एक साबित हुई।

जंबूरी में जाने से पूर्व ही इसकी तैयारियों की सूचना हमें आश्चर्यचकित करने लगी। डायमंड जुबली जंबूरी के उपलक्ष में भारत सरकार ने इसके 75 वर्ष पूर्ण होने पर 75 रुपए का एक सिक्का जारी किया। इसके साथ ही हमारे आवागमन हेतु स्पेशल ट्रेन का चलना।

हमारा सफर शुरू हुआ राज्य प्रशिक्षण केंद्र जगतपुरा जहां सभी मंडल के जिलों से पधारे सदस्यों से हमारा परिचय हुआ। मन में संशय भी था की क्या हम इन सभी से तालमेल भी बिठा पाएंगे परंतु प्रशिक्षण के दौरान हम सभी अपरिचित सदस्य मलकर एक संगठित परिवार का रूप लेते प्रतीत हो रहे थे। रेल यात्रा के दौरान हम रोवर रेंजर का मुख्य कार्य था निश्चित समय पर भोजन सामग्री प्राप्त कर बच्चों तक वितरित करना इस कार्य के दौरान स्काउट गाइड संस्था के प्रति अपनी आंतरिक क्षमता को जाना, विपरीत परिस्थितियों में भी स्काउट गाइड कैसे खुशी खुशी गुजारा कर लेते हैं, यह हमने इस रेल यात्रा के दौरान सीखा। रेल में सीटों की संख्या सीमित थी तो हमने अपने पायनियरिंग कौशल द्वारा जहां मात्र दो बच्चों के विश्राम की व्यवस्था थी वहां हमने पांच बच्चों के विश्राम की व्यवस्था कर ली थी। सभी सदस्यों ने शांति और प्रेम भाव से गाते नाचते सफर पूरा किया।

26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस भी हमने अनोखे ढंग से मनाया, जहां पांडे जी सर के नेतृत्व में बच्चों ने रेल में ही परेड की, राष्ट्र गान गया और पूरा दिन मन देश–भक्ति की भावना में रमा रहा। रेलवे स्टेशन पर सामान लादते लादते थक गए, लेकिन जब हमने हमारे सी.ओ. सर का जोश देखा तो 20 किलो उठाकर थकने वाली इस रेंजर के साथ–साथ समस्त सदस्यों ने दोगूने जोश से कार्य संपन्न किया। जंबूरी स्थल पर मेरी मुलाकात सीनियर रोवर रेंजर अंग्रेज सर, कृष्णा दीदी, शुभम भैया, वैशाली दीदी, हिमाद्री दीदी इत्यादि से हुई, जिन्होंने मुझे स्काउटिंग भविष्य हेतु उचित मार्गदर्शन दिया।

जंबूरी स्थल पर सबसे बड़ा टास्क था गाइड गेट बनाना जो कि हमारी परंपरा और मान का विषय था। इस बार गाइड गेट बनाने का संपूर्ण दायित्व महिला सदस्यों पर रहा। जहां मेरे साथ–साथ सभी रेंजर, गाइड और विशेष कर सभी सी.ओ. गाइड कार्य करते हुए रानी लक्ष्मीबाई के समान प्रतीत हो रही थी। इस दौरान हमारी ए.एस. ओ.सी. नीता शर्मा मेडम ने अपने वचनों द्वारा हमारा उत्साहवर्धन किया। शिविर के दौरान विभिन्न देशों से आए स्काउट और गाइड के सदस्यों से मिले, उनका पहनावा, खानपान, नृत्य, संस्कृति से परिचय हुआ। विशेष कर तमिलनाडु राज्य का मनमोहक रूप हमारे सामने था।

ऐरीना में विभिन्न गतिविधियों के दौरान जब सभी प्रांतो के सदस्य उपस्थित होते तो वसुधैव कुटुंबकम की प्यारी सी झलक देखने को मिलती। शिविर के दौरान सबसे बड़े हास्य का विषय था मेरे बैग का गुम हो जाना। उसी दौरान संपूर्ण राज्य के सदस्यों का मेरे प्रति चिंता और प्रेमभाव मुझे सदैव स्मरणीय रहेगा। जहां अभिलाष मेडम ने अपने वस्त्र, विजयलक्ष्मी मेडम ने अपनी टोपी दी ताकि में तेज धूप से सुरक्षित रह पाऊं। धूप से बचने के लिए पैरों के मौजों को फाड़कर हाथों के मोजे बनाने का हुनर भी यही सीखा।

राजस्थान दिवस पर सभी जिलों का आपसी सहयोग भावना अनेकता में एकता वाली कहावत झलक रही थी। शिविर के दौरान ग्लोबल डेवलपमेंट विलेज के जरिए हमने विभिन्न रोचक गतिविधियों को किया। प्रोत्साहन स्वरूप मुझे इनके बैज भी प्राप्त हुए।

शिविर में मेरी खुशी का सबसे बड़ा विषय था 'डेविड बैडेन पॉवेल' सर से भेंट करना जो की स्काउट गाइड के संस्थापक लॉर्ड बैडेन पॉवेल के पांचवी पीढ़ी थे।

कार्य की अधिकता से थोड़ा विश्राम लेकर हम पहुंचे साहसिक गतिविधियों करने, जिससे हमारे मन की थकान मिनटों में चूर हो गई और मन तनाव रहित हो गया। शिविर समाप्ति के उपरांत सूचना मिली की पुनः हम सब ने मिलकर इतिहास को दोहराया है। राजस्थान दल ने 22 में से 21 प्रतियोगिताओं को जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

घर जाने की खुशी से कहीं ज्यादा मन उदास था। वजह थी सभी प्रांतो के बने मित्रों से बिछड़ने का गम। शायद उनमें से कई चेहरों से हम कभी मिल भी नहीं पाएंगे, यही सोच की अश्रुधारा बह रही थी। स्टेशन पर पहुंचकर हम सभी का ढोल नगाड़ों से भव्य स्वागत किया गया। इस प्रकार कुछ खट्टी कुछ मीठी यादों से भरा डायमंड जुबली जंबूरी का सफर समाप्त हो गया। मैं शुक्रिया अदा करना चाहूंगी ईश्वर और राजस्थान राज्य स्काउट व गाइड का जिन्होंने हमें ऐसा सुनहरा मौका दिया, जहां हमें कई ऐसे अवसर मिले जो हमारे सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक थे।

स्काउट की कलम से

सलाम त्रिची...

गोविन्द चौधरी (उपप्राचार्य)
धरसोंनी, भरतपुर

मैं गोविंद चौधरी (उपप्राचार्य) राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाछरैन, राष्ट्रपति स्काउट हूँ। किसी भी स्काउट गाइड को जंबूरी शब्द बहुत आकर्षित करता है। जंबूरी स्काउट गाइड के मन का असीम तोष और चरम आनंद का उत्सव है। त्रिची (तमिलनाडु) में जंबूरी के आयोजन की कल्पना नहीं थी किंतु भारत में स्काउट गाइड आंदोलन के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारत स्काउट गाइड मुख्यालय दिल्ली का जंबूरी हेतु सर्कुलर जारी हुआ तो मन की हिलोरे सातवें आसमान को पार कर गई।

दक्षिण भारत की भूमि को नमन करने का इससे उत्तम अवसर नहीं हो सकता था। स्काउट यूनिट तैयार हुई और भरतपुर सी. ओ. श्री देवेंद्र कुमार मीणा द्वारा यूनिट लीडर के रूप में मुझे भेजने का निश्चय किया गया। जीवन खप जाता है किंतु इस प्रकार के क्षण किसी सौभाग्यशाली के जीवन का भाग बनते हैं।

आवश्यक दिशा निर्देश व मीटिंगों के बाद हम जगतपुरा स्काउट प्रशिक्षण केंद्र पर तैयारी शिविर हेतु पहुंचे। दिनांक 22 जनवरी से 24 जनवरी तक केवल अभ्यास ही चलता रहा, जिसमें राजस्थान के भाजपा अध्यक्ष श्री मैदान राठौड़ उपस्थित हुए। इस तैयारी शिविर में स्टेट हैडक्वार्टर के सभी पदाधिकारियों की कार्य के प्रति गंभीरता और राजस्थान के द्वारा प्रतियोगिता में विजयी होने के प्रति तीव्र उत्कंठा देखते ही बनती थी। समापन कार्यक्रम में भी जयपुर कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने यही इच्छा व्यक्त की की राजस्थान स्काउट गाइड दल राष्ट्रीय स्तर पर हमें पुनः गौरवान्वित करेगा, ऐसी उम्मीद करता हूँ।

दिनांक 24 जनवरी 2025 को खातीपुरा से एक स्पेशल ट्रेन त्रिची (तमिलनाडु) के लिए रवाना हुई। यह राजस्थान के विजय अभियान का रथ था, जो दक्षिण की तरफ सरपट दौड़ा चला जा रहा था। जानते थे की सफर लंबा है, तो साथ में म्यूजिक सिस्टम भी थे। रास्ते भर नृत्य, गीत–संगीत का दौर चलता रहा। कभी–कभी मंजिल से ज्यादा खूबसूरत सफर हो जाता है। लक्ष्य से ज्यादा सौंदर्य संघर्ष में होता है। देश का 76वां गणतंत्र दिवस हमने ट्रैन में ही मनाया, राष्ट्र गान गाया और तिरंगे को सलामी दी। बहरहाल, रुकती चलती ट्रेन दिनांक 26 जनवरी रात्रि को लगभग 12 बजे तिरुचिरापल्ली पहुंची। वहां के स्टाफ ने पानी, फ्रूटी और बिस्किट की वेलकम किट द्वारा सबका स्वागत किया। बसें पहले से तैयार थी। जम्बूरी स्थल 'मन्नपरई' अभी भी लगभग 30 किलोमीटर दूर था। बसों में बैठकर हम अपने गंतव्य पर पहुंचे जहां पर सुरक्षा व्यवस्था बहुत मजबूत थी। अपने शिविर तक पहुंचाने हेतु सर्विस रोवर तथा रेंजर मौजूद थे। पूरा जंबूरी स्थल दूधिया रोशनी से नहाया हुआ था। हम निर्धारित तंबू में पहुंचे और थकान के कारण जो जैसे था वैसे ही सो गया।

सुबह 27 जनवरी को उठकर हमने अपने तंबू के सामने गेट और गैजेट्स बनाना शुरू किया। देखते देखते तंबुओं का श्रृंगार हो गया और पूरा भारत एक स्थान पर, एक शहर के रूप में अपनी विभिन्न संस्कृतियों के साथ एकत्र हो गया।

जंबूरी का शुभारंभ दिनांक 28 जनवरी को शानदार अंदाज में प्रारंभ हुआ। जिसमें सलामी परेड का नेतृत्व राजस्थान ने किया। उद्घाटन समारोह में तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिथि स्टालिन शामिल हुए।

प्रतियोगिताओं का दौर आरंभ हुआ। व्यवस्थाओं की बात करें तो तमिलनाडु सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी। कैसी भी व्यवस्था केवल होने भर से नहीं बनती बल्कि स्वयं अपने बनाने से भी बनती है। यदि हम अनुशासित नहीं है तो महल को भी कबाड़ घर में बदल सकते हैं। एक बहुत बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर तमिलनाडु सरकार द्वारा खड़ा किया गया। जगह–जगह स्वास्थ्य केंद्र तथा दो बड़े हॉस्पिटल बनाए गए सारी भौतिक व्यवस्थाएं की गई थी। एडवेंचर स्थल बनाए गए जिसमें बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। भव्य एरीना बनाया गया, जिसमें प्रमुख मंच

पूर्व की तरफ तथा एक केंद्रीय मंच बनाया गया जो बहुत विशाल भव्य व आकर्षक था। प्रत्येक रात्रि को केंद्रीय मंच पर कैंप फायर का आयोजन किया गया, जिसमें देश के प्रत्येक भाग से सांस्कृतिक विरासत का मनमोहक, दर्शनीय प्रदर्शन हुआ। दिन भर में देश–विदेश के स्काउट गाइड, स्काउट लीडर, गाइड लीडर से मिलने का सिलसिला चलता रहता। आंखों में एक कौतूहल था कि समाप्त नहीं होता था। कितने लोग, कितनी विरासतें, कितनी संस्कृतियाँ, कितनी भाषाएं और वेश, आनंद का अंत नहीं.. दुनिया कितनी रंगीन है.. संसार कितना प्यारा है.. हमारी सभ्यता कितनी विविधता से पूर्ण है.. हम फिर भी एक हैं। एक ही लक्ष्य है, एक ध्येय, एक देश है, एक आत्मा। यह जंबूरी स्थल एक सागर के समान प्रतीत होता था। जिसमें हिलोर लेते स्काउट व गाइड इसे जीवंत बना रहे थे।

यहां पर मुझे एडवांस कोर्स के साथी मिले जिन्होंने इस आंदोलन को अनवरत रखना का प्रण ले लिया था। जयपुर मंडल से अजय, बीकानेर मंडल से विष्णु, सिरोही मंडल से रामनिवास आदि। एडवांस कोर्स का स्टाफ भी मिला जैसे शैलेश पलोड़, राकेश टांक, बाबूदीन काठात आदि। मैंने और अजय ने अंतर्राष्ट्रीय व अंतर्राज्यीय संबंधों के विषय में देश और विदेश के सेकड़ों लीडर्स से संपर्क स्थापित किया और उनकी सांस्कृतिक विशेषताओं को जाना और पाया कि प्रेम दुनिया का सबसे ताकतवर आसंजक है। भाषाओं में हिंदी सब जगह है किंतु अंग्रेजी अभी भी संवाद के लिए महत्वपूर्ण है, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए।

राजस्थान दिवस पर पूरी जंबूरी राजस्थान की संस्कृति के रंग में रंगी हुई थी। हमने राजस्थानी पोशाक पहनी। स्काउट गाइड दल ने विभिन्न प्रकार के नृत्य प्रस्तुत किये। इस कार्यक्रम के दौरान मेरी मुलाकात सी एम मीडिया की टीम के एक व्यक्ति धरनीधरन से हुई। धरनीधरन किलोत ने हमारे राजस्थान के दल को कवरेज दी तथा बच्चों का साक्षात्कार किया। यह साक्षात्कार तथा बाइट्स पूरे कार्यक्रम के दौरान जंबूरी की बड़ी स्क्रीन पर चलाई गई। धरनीधरन अब मेरा मित्र है और उसने हमारे यहां होली पर आने का वादा किया है।

राजस्थान 22 प्रतियोगिताओं में से 21 में विजयी रहा। राजस्थान गेट गर्व से खड़ा रहा। सभी प्रमुख पुरस्कार हमें मिले। मलाल सिर्फ एक रहा कि रामेश्वरम नहीं जा सके। समापन के दिन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन आए। अनेक यादों को सँजोए हुए हम सकुशल वापस अपने घर आये। सही मायने में यह एक महाकुंभ था। यह कुंभ था संस्कृतियों का, विरासतों का, विभिन्न भाषाओं व वेशभूषाओं का, अनेकानेक सभ्यताओं का, यह कुंभ था प्रेम का जो सब में समाहित है। मुझे बस यही कहना है...

त्रिची जंबूरी.....तुझे सलाम..!

मिलाया मुझे मेरे ही एक भाग से,

सीखा मैंने ना जानते हुए भी नाचना, तेरे शिविर ज्वाल से....।

कितने ही हाथ उठेंगे.... सेवा को,

कितने ही बीज बनेंगे वृक्ष.....और देंगे छाया इस विश्व को।

परिवर्तन लाएंगे और बदलेंगे

प्रेम से हर परिस्थितियों को आनंद में..

त्रिची जंबूरी तू रहेगी याद.....सदियों तक..

मुझे दिए अनेक दोस्त जिनसे मैं शायद कभी नहीं मिलता

शायद कभी नहीं.....।

स्काउट की कलम से

वैचारिक आदान-प्रदान

डॉ. बी.एल. जाखड़
जिला सचिव, रा.रा.भा.स्काउट व गाइड, जोधपुर

जंबूरी का व्यवस्थागत पक्ष उम्दा रहा। स्काउट गाइड ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैचारिक आदान–प्रदान किया, यह सकारात्मक पहलू रहा। देश के दक्षिण भाग में अपनी उपस्थिति के बावजूद विश्व विख्यात ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों का भ्रमण यहां तक जिला मुख्यालय त्रिची का भी भ्रमण नहीं कर पाए, इसका मलाल सभी को रहा। मेरा व्यक्तिगत सुझाव है कि भविष्य में इस तरह के विराट समागम में पूर्व नियोजन के समय ऐसे तथ्यों को दृष्टिगत रखा जाए।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में निर्णायकों की भूमिका निष्पक्ष और सराहनीय रही जो प्रशंसनीय है।

हेल्थ एंड हाइजीन, सैनिटेशन व स्वच्छता पक्ष का विशेष ख्याल रखा गया। इसके लिए स्थानीय प्रशासन साधुवाद का पात्र है। भाषागत समस्या प्रायः सभी संभागियों में देखी गई। यद्यपि यह जंबूरी का नहीं राजनीतिक व्यवस्था का विषय है। जंबूरी में प्रतियोगिता से संबंधित सभी गतिविधियों और पक्षों की पारदर्शिता सराहनीय रही।

राजस्थान के विशेष संदर्भ में–

राज्य व जिला मुख्यालय तथा स्काउटर गाइडर के मध्य संवाद तथा संप्रेषण बहुत प्रभावी देखा गया। इसके लिए राज्य नेतृत्व साधुवाद का पात्र है, आपके कुशल नेतृत्व के बिना यह संभव नहीं था। परिणाम स्वरूप समस्त गतिविधियां समयबद्ध, नियमित और श्रेष्ठ रही। इसी का परिणाम है कि राजस्थान राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों और प्रतियोगिताओं में अव्वल रहा। इस जज्बे को भविष्य में भी बनाए रखा जाना चाहिए। धन्यवाद...

स्काउट की कलम से

मेरा सौभाग्य : मेरी सहभागिता

प्रस्तोता – शैतान सिंह

शैतान सिंह राजपुरोहित स्काउट मास्टर स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल फलोदी राजस्थान

जंबूरी मतलब मिनी भारत को एक जगह पर देखने का सुनहरा अवसर। विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का रोमांच और संपूर्ण देश की संस्कृति को आत्मसात करने का शुभ अवसर। हर गतिविधि और यात्रा में एक खट्टा, मीठा, चरपरा, अनूठा, अद्भुत अनुभव प्राप्त होता है।

इस बार की यात्रा भी एक अनूठा, अद्वितीय, अद्भुत अनुभव प्रदान करने वाली रही। अबोध बालको में स्काउटिंग शैली से ऊर्जा का संचार करने वाली डायमंड जुबली जंबूरी सच में स्काउटिंग के विचारों को गति प्रदान करने वाली रही। सर्व विदित है घर जैसा वातावरण अन्यत्र नहीं मिलता। सुविधाभोगी स्काउट जो कोमल गद्दों पर सोने वाला, मां के हाथ से निवाला खाने वाला, हर कार्य अपने परिवार वालों के सहयोग से करने वाला पूरे जोश और जज्बे के साथ जंबूरी स्थल पर प्रत्येक कार्यों की जिम्मेदारी लेते हुए एक दूसरे का सहयोग करते हुए विपरीत परिस्थितियों से अकेला डटकर, झूंझते हर कार्य को अपने हाथों से संवारते हुए और अधिक खूबसूरत बनाने का प्रयास करता है। ना खाने की चिंता, ना नींद की चिंता, ना सजने संवरने की। चिंता है तो

बस एक ही कि स्काउट यूनिफॉर्म पहनकर पूर्ण अनुशासन के साथ कैसे मैं अपने हर कार्य को शिद्दत के साथ पूरा कर राजस्थान प्रदेश वासियों को गौरवान्वित होने में अपना सहयोग दूं।

इतनी लंबी यात्रा के बावजूद हर स्काउट के चेहरे कमल की भांति खिले हुए, उत्साह से लबरेज हर एक क्षण को जी भर कर जीने की कसक के साथ, हर एक पल को अपने जीवन का यादगार पल बनाते हुए नाचते, गाते, झूमते, आनंद की पराकाष्ठा को प्राप्त करते हुए, प्रत्येक क्षणों को अपनी स्मृति में संजोते हुए आगे बढ़ते जा रहे थे। जंबूरी स्थल पर पहुंचने के पश्चात अनथक, अनवरत अपने कर्तव्यों को संपादित करने में लग जाते हैं।

बात चाहे कैंप क्राफ्ट की हो या फूड प्लाजा की, लोक नृत्य की हो या कलर पार्टी की, कैंपफायर हो या पायनियर प्रोजेक्ट, प्रदर्शनी या स्किल ओ रामा, मार्च पास्ट या फिजिकल डिस्प्ले एवं बैंड प्रदर्शन हर एक गतिविधि में अपना संपूर्ण शत प्रतिशत झोंकना ही प्राथमिकता रही।

राजस्थान दिवस पर और राजस्थान की झांकी के दिन तो मानो पूरा राजस्थान रंग–बिरंगे परिवेश में पूरे एरिना में संपूर्ण जोश और जज्बे के साथ अपने उत्साह को प्रकट कर रहा था, जय–जय राजस्थान के नारों के साथ राजस्थान की आन–बान–शान का परचम लहरा रहा था। फूड प्लाजा में मेहमानों और मेजबानों ने राजस्थानी व्यंजनों का जो स्वाद चटकारे लेते हुए लिया, निश्चित रूप से उन्हें जीवन भर याद रहेगा। यह पल राजस्थान के प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए बहुत खास था। अपने अनुशासन, श्रम निष्ठा, कर्तव्य परायणता के फलस्वरुप राजस्थान दल अपनी गौरवशाली परंपरा अनुसार पूरे देश में सिरमौर बना और पूरे प्रदेशवासियों को गौरवान्वित किया।

जय जंबूरी..! जय जय राजस्थान..!!

CELEBRATIONS DAYS : MARCH - APRIL 2025

08 March	:	International Women Day
20 March	:	International Day of Happiness
21 March	:	World Forest Day
22 March	:	World Water Day
23 March	:	Shahid Diwas
30 March	:	Rajasthan Day
07 April	:	World Health Day
22 April	:	World Earth Day
23 April	:	World Book Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

गतिविधि दर्पण

भरतपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भरतपुर के संयुक्त निर्देशन मे बाबूराम वेदांता उच्च माध्यमिक विद्यालय भरतपुर पर बालिका दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अथिति एडीजे श्री आंतोष

गुप्ता रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा एडीजे महोदय का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया। अतिथि महोदय द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बालिकाओं को कानूनी जानकारी दी एवं जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

जयपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में राजकीय बीआर अंबेडकर बालक छात्रावास सीकर सेकंड में छात्रावास अधीक्षका प्रियंका चौधरी के नेतृत्व में 25 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पोस्टर व लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्काउट कवि ओम अलवरिया, नागेंद्र मीणा, गौरव मीना, रोहित पालीवाल, उदय सिंह, बलवंत सिंह, पीयूष मीणा, गोलू मीणा, अनिल कुमार, गुलशन, गोलू मीणा, सिद्धार्थ मीणा, सुधांशु, नितिन, बृजेश, अखिलेश मीणा, देवराज, अंकित कुमार, दीपांशु, सुनील, सोनू, बजरंगलाल नायक, आदित्य वैष्णव, अंकित नायक, दिलकुश बुनकर, विजेंद्र बुनकर, पंकज नायक, अभिराज, रणवीर मीणा, भूपेंद्र बाकोलिया, कपिल नायक,

अजय कुमार प्रजापत, रामदेव, कृष्ण कुमार सेन, गंभीर देव बाकोलिया, शिवम मीणा ने सहयोग किया तथा प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लिया। स्काउट मास्टर ओमप्रकाश रेगर ने बताया कि इस अवसर पर रैली का भी आयोजन किया गया।

❖ खाचरियावास अंग्रेजी माध्यम स्कूल के स्काउट प्रभारी तुलसी राम कुमावत ने हार्डवेयर मर्चेंट्स एसोसिएशन जयपुर एवं श्री श्याम महोत्सव सेवा समिति जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष पर कुमावत छात्रावास करधनी जयपुर में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 45वी बार रक्तदान किया। इस अवसर पर उपस्थित श्री निर्मल कुमावत पूर्व विधायक फुलेरा ने राजस्थानी आन बान शान का प्रतीक साफा पहनाकर सम्मानित किया। श्री प्रहलाद पुरी महाराज ने प्रशस्ति–पत्र व मोमेंटो देकर स्वागत किया।

आयोजक समिति के सदस्यों ने कुमावत के बार बार रक्तदान करने पर धन्यवाद दिया। तुलसी राम कुमावत समाज सेवा एवं बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। इनकी स्काउट आंदोलन में भी सक्रिय भूमिका रहती है। बसंत कुमार लाटा सी.ओ. सीकर ने जिला मुख्यालय की ओर से तुलसी राम कुमावत को इस कार्य के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जोधपुर मण्डल

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा सौर ऊर्जा संरक्षण एवं सतत् उपभोग जीवन शैली स्काउट गाइड कार्याशाला 17 फरवरी को श्री क्षेत्रपाल मंदिर खेतलाजी मलावा रेवदर में आयोजित की गई। प्रारम्भ में सी.ओ.स्काउट एम.आर. वर्मा ने सौर ऊर्जा संरक्षण एवं सतत् उपभोग जीवन शैली के बारे में विस्तार से अवगत कराया और कहा कि सौर ऊर्जा की अहमियत अब हर किसी को पता होने लगी है और सरकार भी इसको बढावा दे रही है। यह ऊर्जा विज्ञान का उपयोगी अविष्कार है। इसकी मदद से सरकार द्वारा देश के कई गावों और शहरों में रहने वाले लोगों के घरों को रोशन किया जा रहा है। उन्होने कहा कि सौर ऊर्जा का दैनिक जीवन में इस्तेमाल

बडे पैमाने पर किया जा सकता है। यह बरसात के मौसम में भी बिजली उत्पन्न कर सकती है। वर्मा ने कहा कि इस वर्कशॉप में उपस्थित स्काउट गाइड अपने विद्यालयों में जाकर अन्य छात्र–छात्राओं को भी सौर ऊर्जा संरक्षण एवं सतत् उपभोग जीवन शैली के बारे में जानकारी देवें। इस अवसर पर बाबुलाल सैनी सचिव स्थानीय संघ रेवदर ने सतत् उपभोग जीवन शैली एवं भंवर सिंह दहिया ने ऊर्जा संरक्षण पर, जल संरक्षण पर खेताराम, स्वच्छता पर रामेश्वर जाट, सिंघल युज प्लास्टिक पर सुजाता एवं पर्यावरण संरक्षण पर लाजपत बिश्नोई ने अपनी वार्ता दी। इस अवसर पर स्थानीय संघ रेवदर के विभिन्न विद्यालयों के स्काउट गाइड उपस्थित रहे।

उदयपुर मण्डल

❖ द विजन एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उदयपुर के प्रांगण में दिनांक 28 जनवरी 2025 को रोड सेफ्टी कार्यक्रम में 'थिएटरवुड कंपनी' के रंगमंच कलाकारों द्वारा 'रोड सेफ्टी और यातायात नियमों' पर एक नुक्कड़ नाटक के द्वारा विद्यार्थियों

को जानकारी दी गई। 'थिएटर वुड' कंपनी के रंग मंच कलाकारों द्वारा रोड सेफ्टी और यातायात नियम पर एक नाटक प्रस्तुत किया गया। जिसमें स्काउट गाइड के बच्चों ने सहयोग व संदेश दिया और प्रोग्राम को वालंटियर किया। इस नाटक को स्कूल की प्रिंसिपल डॉ. प्रतिमा सामर के द्वारा आयोजित किया गया। इस नाटक के लेखक और निर्देशक अशफाक नूर खान और उनकी टीम के द्वारा प्रस्तुति दी गई। स्काउट गाइड की टीम को उमेश चंद्र पुरोहित व शिप्रा चतुर्वेदी ने नेतृत्व प्रदान किया।

❖ राजसमंद जिले के वरिष्ठ स्काउटर्स ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्य तिथि पर रक्तदान कर मानवता की मिसाल कायम की। स्थानीय संघ मुख्यालय राजसमंद के सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर 'अनोखा' ने बताया कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमंद व स्थानीय संघ कुंभलगढ़ के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मावा का गुड़ा के वरिष्ठ स्काउटर एवं राज्य स्तर पर सम्मानित शिक्षक विक्रम सिंह

शेखावत ने 23वीं बार तथा रा.उ.मा.वि. गजपुर कुंभलगढ़ के जिला स्तर पर सम्मानित शिक्षक प्रेमराज मीणा ने आर.के. राजकीय चिकित्सालय राजसमंद के ब्लड बैंक में जाकर रक्तदान किया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रिंछेड़ के राज्य स्तर पर सम्मानित अन्तर्राष्ट्रीय स्काउटर जसराज सरगरा ने बताया कि जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्य तिथि पर स्काउटर गाइडर ने उनकी छवि पर पुष्प अर्पित कर उनके त्याग व बलिदान के बारे में उन्हें याद किया व रक्तदान करने वाले महादानी वरिष्ठ स्काउटर्स का परसादी, इकलाई व प्रमाण पत्र देकर स्थानीय संघ राजसमंद के वरिष्ठ स्काउटर एवं कोषाध्यक्ष रोशनलाल रेगर ने सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री गुर्जर ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि रक्तदान और विद्यादान महादान है इनसे बढ़कर कोई दान नहीं है। रक्तदान और विद्यादान से हम कई जनों के जीवन को उच्च स्तर पर पहुंचाते हुए बचा सकते हैं। जितना हम रक्तदान और विद्यादान करते हैं दानदाताओं का रक्त और विद्या उतनी ही बढ़ती है। कार्यक्रम का संचालन अन्तर्राष्ट्रीय स्काउटर जसराज सरगरा ने किया। आभार वरिष्ठ स्काउटर रोशनलाल रेगर ने व्यक्त किया।

❖ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, राजसमन्द के समीप स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एमडी में 24 जनवरी को स्वच्छता अभियान में स्काउट व गाइड ने सेवाभाव से कार्य कर इस महाअभियान में अपनी आहुति दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं पंचायत शिक्षा अधिकारी भानु कुमार वैष्णव ने बताया कि जिला कलक्टर बालमुकुन्द असावा व जिला प्रशासन राजसमन्द की पहल पर पूरे जिले में 24 जनवरी को माई स्कूल क्लीन स्कूल नामक सपने को साकार करने के

उद्देश्य से विद्यालय के स्काउट के नेतृत्व में स्काउट व गाइड ने श्रमदान कर लॉन–टेनिस मैदान खेल ग्राउण्ड विद्यालय परिसर व खेल कक्ष की सफाई कर एक अनुकरणीय कार्य किया और जिला कलक्टर महोदय के ''स्वच्छ और सुन्दर बने हमारा राजसमन्द'' के सपने को साकार करने का प्रयास किया। विद्यालय के वरिष्ठ स्काउटर व स्थानीय संघ राजसमन्द मुख्यालय सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर अनोखा ने बताया कि इस अभियान मे स्काउट शुभम गायरी, अर्जुन गायरी, अनिक रैदास, हर्षित सालवी, रमेश कुमावत, लक्ष्मण व गाइड पुनम कुमावत, निर्मला कुमावत, हेमलता कुमावत, दिव्या कुमावत, संगीता गुर्जर, ललिता लौहार, ट्विंकल कुमावत, प्रियंका सालवी आदि ने सहयोग प्रदान किया।

❖ गणतंत्र दिवस समारोह में बांसवाड़ा जिला मुख्यालय पर जिला कलक्टर डॉ इंद्रजीत यादव द्वारा ध्वजारोहण किया गया। साथ ही जिले में विशिष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को जिला

कलक्टर डॉ इंद्रजीत यादव, पुलिस अधीक्षक श्री हर्षवर्धन अग्रवाला, जिला प्रमुख श्रीमती रेशम मालवीया द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान के श्रृंखला में 1) कब बुलबुल गतिविधियों के अंतर्गत जिले में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने पर कब मास्टर श्री अनिल भट्ट महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय रैयाना बांसवाड़ा को सम्मानित किया गया। 2) रेंजरिंग गतिविधियों के अंतर्गत जिले में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने पर रेंजर लीडर सुश्री अंजली चौहान रेंजर लीडर स्वतंत्र रेंजर टीम बांसवाड़ा को सम्मानित किया गया, तथा 3) जिला स्तरीय परेड की टुकड़ियों में राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड, जिला मुख्यालय, बांसवाड़ा से स्काउट की टुकड़ी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

❖ राजसमंद स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एमड़ी में निदेशक महोदय राजस्थान बीकानेर के आदेशानुसार 3 फरवरी को प्रातः 9 बजे विद्यालय प्रांगण में सूर्य सप्तमी पर सामुहिक सूर्य नमस्कार कर हेल्थ एण्ड वेल्थनेस का संदेश आमजन तक पहुंचाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं पंचायत शिक्षा अधिकारी भानु कुमार वैष्णव ने बताया कि राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 3 फरवरी को पुरे राज्य भर में सूर्य सप्तमी पर वृहद् स्तर पर सामुहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक धर्मेन्द्र अनोखा एवं स्काउट गाइड के नेतृत्व में विद्यालय के बालक बालिकाओं, विद्यालय स्टाफ, जन प्रतिनिधि एवं ग्रामवासियों ने सूर्य नमस्कार की गतिविधियां कर एक अनुकरणीय कार्य किया।

विद्यालय के वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक धर्मेन्द्र अनोखा ने बताया कि विद्यालय के सीनियर स्काउट व गाइड शुभम गायरी, अर्जुन गायरी, अनिल रेदास, हर्षित सालवी, करण पालीवाल, लक्ष्मण लोहार, गाइड पुनम कुमावत, निर्मला कुमावत, ट्विंकल कुमावत, दीक्षा कुमावत, हेमलता कुमावत, सावित्री गुर्जर, प्रियंका सालवी, के नेतृत्व में सभी बालक–बालिकाओं ने पूर्ण मनोयोग से मंत्रोचार के साथ सूर्य नमस्कार योग करके आध्यात्मिक लाभ भी प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार के बालकृष्ण पालीवाल, लक्ष्मीलाल कुमावत, सुनिल गोदारा, जब्बरसिंह, पूर्णिमा राजपूत, मंजु वैष्णव, निशा जांगिड़, अनिता शर्मा, शांति शर्मा, सरिता कुमावत आदि विद्यालय परिवार के सदस्यगणों ने भी सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया। बालकों को शिक्षाविद् प्रभुलाल ने सम्बोधित करते हुए सूर्य नमस्कार की बारिकी से जानकारी प्रदान की। साथ ही ग्राम पंचायत एमड़ी के सरपंच मांगीलाल सालवी ने भी अपना उद्बोधन देते हुए बालक–बालिकाओं का मार्गदर्शन किया। अतिथि महानुभावों का संस्था प्रधान ने आभार व्यक्त किया।

हमारे महापुरुष

संत तुकाराम

जयन्ती : 25 मार्च

-स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

कहते हैं संत की ना कोई जात होती है ना कोई धर्म, संत तो बस भक्ति का साधक होता है। दया, शील, विनम्रता जैसे गुणों से ही उसकी पहचान होती है। संत तो उस बहती नदी के जल के समान है जो सभी को अपनी शीतलता से ठंडा कर देता है। भक्ति की राह पर संत कभी पीछे नहीं हटते और यही वजह है कि दुनिया उन्हें हमेशा याद रखती है। संतों के इन्हीं गुणों से लबरेज और भक्ति के परिचायक संत तुकाराम भी थे। अपनी कविताओं के द्वारा तुकाराम ने अपने विट्ठल की आराधना की और अपनी जिंदगी उनके नाम की।

तुकाराम का जन्म पुणे जिले के अंतर्गत देहू नामक ग्राम में शाके 1520; सन् 1598 में हुआ। इनकी जन्मतिथि के संबंध में विद्वानों में मतभेद है तथा सभी दृष्टियों से विचार करने पर शाके 1520 में जन्म होना ही मान्य प्रतीत होता है। पूर्व के आठवें पुरुष विश्वंभर बाबा से इनके कुल में विट्ठल की उपासना बराबर चली आ रही थी। इनके कुल के सभी लोग पंढरपुर की यात्रा (वारी) के लिये नियमित रूप से जाते थे। देहू गाँव के महाजन होने के कारण वहाँ इनका कुटुंब प्रतिष्ठित माना जाता था। इनका बचपन माता कनकाई व पिता बहेबा की देखरेख में अत्यंत दुलार से बीता, किंतु जब ये लगभग 18 वर्ष के थे इनके माता पिता का स्वर्गवास हो गया तथा इसी समय देश में पड़े भीषण अकाल के कारण इनकी प्रथम पत्नी व छोटे बालक की भूख के कारण तड़पते हुए मृत्यु हो गई। विपत्तियों की ज्वालाओं में झुलसे हुए तुकाराम का मन प्रपंच से ऊब गया। इनकी दूसरी पत्नी जीजा बाई बड़ी ही कर्कशा थी। ये सांसारिक सुखों से विरक्त हो गए। चित्त को शांति मिले, इस विचार से तुकाराम प्रतिदिन देहू गाँव के समीप भावनाथ नामक पहाड़ी पर जाते और भगवान विट्ठल के नामस्मरण में दिन व्यतीत करते।

तन्मयता से परमेश्वर प्राप्ति के लिये उत्कंठित तुकाराम को बाबा जी चैतन्य नामक साधु ने माघ सुदी 10 शाके 1541 में 'रामकृष्ण हरि' मंत्र का स्वप्न में उपदेश दिया। इसके उपरांत इन्होंने 17 वर्ष संसार को समान रूप से उपदेश देने में व्यतीत किए। सच्चे वैराग्य तथा क्षमाशील अंतःकरण के कारण इनकी निंदा करने वाले निंदक भी पश्चाताप करते हुए इनके भक्त बन गए। इस प्रकार भगवत धर्म का सबको उपदेश करते व परमार्थ मार्ग को आलोकित करते हुए अधर्म का खंडन करने वाले तुकाराम ने फाल्गुन बदी (कृष्ण) द्वादशी, शाके 1571 को देव विसर्जन किया।

तुकाराम के मुख से समय समय पर सहज रूप से प्रस्फुटित होने वाली 'अभंग' वाणी के अतिरिक्त इनकी अन्य कोई विशेष साहित्यिक कृति नहीं है। अपने जीवन के उत्तरार्ध में इनके द्वारा गाए गए तथा उसी क्षण इनके शिष्यों द्वारा लिखे गए लगभग 4000 अभंग आज भी उपलब्ध हैं।

कौटुंबिक आपत्तियों से त्रस्त एक सामान्य व्यक्ति किस प्रकार आत्मसाक्षात्कारी संत बन सका, इसका स्पष्ट रूप उनके अभंगों में दिखलाई देता है। उनमें उनके आध्यात्मिक चरित्र की साकार रूप में तीन अवस्थाएँ

एक बार तीर्थ यात्रा पर जाने वाले लोगों के संघ ने संत तुकाराम जी के पास जाकर उनसे साथ चलने की प्रार्थना की। तुकारामजी ने अपनी असमर्थता बताते हुए तीर्थ यात्रियों को एक कड़वा कद्दू देते हुए कहा : 'मैं तो आप लोगों के साथ आ नहीं सकता लेकिन आप इस कद्दू को साथ ले जाइये और जहाँ–जहाँ भी स्नान करें, इसे भी पवित्र जल में स्नान करा लाये।'

लोगों ने उनके गूढार्थ पर गौर किये बिना ही वह कद्दू ले लिया और जहाँ–जहाँ गए, स्नान किया वहाँ–वहाँ स्नान करवाया; मंदिर में जाकर दर्शन किया तो उसे भी दर्शन करवाया। ऐसे यात्रा पूरी होते सब वापस आए और उन लोगों ने वह कद्दू संतजी को दिया।

तुकारामजी ने सभी यात्रियों को प्रीतिभोज पर आमंत्रित किया। तीर्थयात्रियों को विविध पकवान परोसे गए। तीर्थ में घूमकर आये हुए कद्दू की सब्जी विशेष रूप से बनवायी गयी थी। सभी यात्रियों ने खाना शुरू किया और सबने कहा कि 'यह सब्जी कड़वी है।' तुकारामजी ने आश्चर्य से कहा कि 'यह तो उसी कद्दू से बनी है, जो तीर्थ स्नान कर आया है। बेशक यह तीर्थाटन के पूर्व कड़वा था, मगर तीर्थ दर्शन तथा स्नान के बाद भी इसमें कड़वाहट है!'

यह सुन सभी यात्रियों को बोध हो गया कि 'हमने तीर्थाटन किया है, लेकिन अपने मन को एवं स्वभाव को सुधारा नहीं तो तीर्थयात्रा का अधिक मूल्य नहीं है। हम भी कड़वे कद्दू जैसे कड़वे रहकर वापस आये हैं।'

दिखलाई पड़ती हैं।

प्रथम साधक अवस्था में तुकाराम मन में किए किसी निश्चयानुसार संसार से निवृत्त तथा परमार्थ की ओर प्रवृत्त दिखलाई पड़ते हैं।

दूसरी अवस्था में ईश्वर साक्षात्कार के प्रयत्न को असफल होते देखकर तुकाराम अत्यधिक निराशा की स्थिति में जीवन यापन करने लगे। उनके द्वारा अनुभूत इस चरम नैराश्य का जो सविस्तार चित्रण अभंग वाणी में हुआ हैं उसकी हृदयवेधकता मराठी भाषा में सर्वथा अद्वितीय है।

किंकर्तव्यमूढ़ता के अंधकार में तुकाराम जी की आत्मा को तड़पाने वाली घोर तमस्विनी का शीघ्र ही अंत हुआ और आत्म साक्षात्कार के सूर्य से आलोकित तुकाराम ब्रह्मानंद में विभोर हो गए। उनके आध्यात्मिक जीवनपथ की यह अंतिम एवं चिरवांछित सफलता की अवस्था थी।

इस प्रकार ईश्वरप्राप्ति की साधना पूर्ण होने के उपरांत तुकाराम के मुख से जो उपदेशवाणी प्रकट हुई वह अत्यंत महत्वपूर्ण और अर्थपूर्ण है। स्वभावतः स्पष्टवादी होने के कारण इनकी वाणी में जो कठोरता दिखलाई पड़ती है, उसके पीछे इनका प्रमुख उद्देश्य समाज से दुष्टों का निर्दलन कर धर्म का संरक्षण करना ही था। दाभिक संत, अनुभवशून्य पोथीपंडित, दुराचारी धर्मगुरु इत्यादि समाजकंटकों की उन्होंने घोर आलोचना की।

तुकाराम मन एवं काव्य दृष्टि से भाग्यवादी थे तथापि उन्होंने सांसारिकों के लिये 'संसार का त्याग करो' इस प्रकार का उपदेश कभी नहीं दिया। इनके उपदेश का यही सार है कि संसार के क्षणिक सुख की अपेक्षा परमार्थ के शाश्वत सुख की प्राप्ति के लिये मानव का प्रयत्न होना चाहिए।

तुकाराम की आत्मनिष्ठ अभंगवाणी जनसाधारण को भी परम प्रिय लगती है। इसका प्रमुख कारण है कि सामान्य मानव के हृदय में उद्भूत होने वाले सुख, दुःख, आशा, निराशा, राग, लोभ आदि का प्रकटीकरण इसमें दिखलाई पड़ता है। जगत गुरु संत तुकाराम छत्रपति शिवाजी महाराज के गुरु थे।

शांति के पुजारी संत तुकाराम एक बार शहर से लौट रहे थे। रास्ते में गन्ने का खेत आया। खेत के मालिक ने तुकारामजी को देखा। प्रसन्न होकर उन्हें प्रणाम किया, उनका स्वागत किया और अपने खेत के दो–चार गन्ने भेंट किये। तुकाराम वहाँ से चल दिये। रास्ते में आते–आते कुछ गरीब लोगों को, भूखे लोगों को गन्ने दान देते गये। यों घर पहुंचते–पहुंचते उनके पास एक ही गन्ना रह गया।

संत तुकाराम की पत्नी कर्कशा व झगड़ालू थी। जैसे ही उसने तुकाराम को आते देखा। वह घर के बर्तन धो रही थी, उसका गंदा पानी सीधा तुकारामजी के ऊपर डाल दिया और बुरा भला कहने लगी। तुकारामजी ने शांत चित्त से हँसते हुए घर में प्रवेश किया। धर्मपत्नी की तरफ गन्ना बढ़ाते हुए कहा कि शहर से लौटते एक खेत के मालिक ने मुझे दो–चार गन्ने थमा दिये, इसीलिए ले आया हूँ। यह बात सुनते ही धर्मपत्नी को क्रोध आ गया। तुरंत बोली 'दो–चार दिये और आप तो एक ही गन्ना लेकर आये हैं? बाकी गन्ने कहाँ हैं?

तुकाराम ने उत्तर दिया 'वह तो रास्ते में कुछ भूखे और गरीब लोगों में बाँट दिये।' धर्मपत्नी को गुस्सा आ गया। उसी गन्ने से तुकाराम को पीटने लगी।

गन्ने के दो टुकड़े हो गये। तुकाराम ने हँसते हुए कहा 'अच्छा हुआ पहले एक ही गन्ना था। अब दो हो गये हैं, दोनों आराम से खा सकते हैं।

ऐसे थे शांति के पुजारी संत तुकाराम।'

पृष्ठ सं. 16 का शेष

जयपुर रैली

लिए भेजा गया। जिसमें आमेर किला, हवामहल, जलमहल, सिटी पैलेस, जंतर मंतर आदि पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया गया।

सी.ओ. (गाइड) श्रीमती इंदू तंवर ने बताया कि शाम के सत्र में जयपुर जिले के पंच गौरव के अंतर्गत कबड्डी के मैचों का आयोजन किया गया। स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य तथा राजस्थान लोक सेवा आयोग की सदस्या श्रीमती संगीता आर्य ने कबड्डी प्रतियोगिताओं को देखा एवं सभी स्काउट्स को खेलों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया। रैली में व्यायाम प्रदर्शन, बैण्ड प्रदर्शन, फूड प्लाजा, परम्परागत फैशन शो प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। रात्रि में कैंप फायर प्रतियोगिता में विभिन्न सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम हुए।

जयपुर शहर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा ने रैली में शिरकत कर कहा कि विभिन्न प्रकार की समस्याओं से सामना करने का एटीट्यूड हमें स्काउट गाइड की गतिविधियों से प्राप्त होता है। स्काउट गाइड की गतिविधियां एवं जीवन शैली बच्चों को सशक्त एवं समृद्ध बनाती है। सांसद महोदया ने स्काउट गाइड की सुविधाओं के लिए 10 लाख रुपए की राशि स्वीत करने का भी आश्वासन दिया।

17 फरवरी को सायंकाल रैली का समापन समारोह स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर) डॉ. अखिल शुक्ला एवं विद्यायक जमवारामगढ श्री महेन्द्र पाल मीणा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। श्री पूरण सिंह शेखावत, सुश्री सुयश लोढ़ा, श्री अभय सिंह शेखावत, श्रीमती बसन्ती शर्मा, श्री प्रेमचन्द शर्मा तथा अन्य पदाधिकारीगण एवं अतिथि उपस्थित रहे। तत्पश्चात रात्रि में विशाल कैम्प फायर का आयोजन किया गया।

18 फरवरी को प्रातःकाल प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। ध्वजारोहण पश्चात विजेताओं को पारितोषिक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें रैली में आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले स्थानीय संघ/ग्रुपों को शील्ड, मोमेन्टो एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। रैली में सम्पूर्ण प्रतियोगिता में स्थानीय संघ झोटवाड़ा ने स्काउट व गाइड दोनो विंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। हर्षनाद के साथ रैली का समापन हुआ।

पर्यटन स्थल

बून्दी

गौरवशाली अतीत व विश्वविख्यात कला

प्रस्तोता – कृष्णकान्त राठौड़

अरावली की गोद मे बसा, एक छोटा सा रमणीक बून्दी शहर छोटी काशी के नाम से विख्यात हैं। हाड़ौती का प्रवेश द्वार यह नगर अपने प्राकृतिक सौन्दर्य, ऐतिहासिक शौर्य व साहसिक गौरव के लिऐ विश्व विख्यात भी रहा है। शस्त्र व शास्त्र इन दोनों विधाओं में इस भू भाग की उपलब्धि अप्रतिम रही है। इसके शूरवीरों एवं वीरांगनाओं की अनुपम वीरगाथाओं से अनेक कवियों व लेखकों ने अपनी लेखनी को अमरत्व प्रदान किया है। राजस्थान के प्रसिद्ध साहित्यकार व महाकवि सूर्यमल्ल मिश्रण की जन्मभूमि का गौरव प्राप्त यह नगरी तीन तरफ पहाड़ियों से घिरी व चार प्रमुख द्वारों के साथ विशाल प्राचीरों से सीमाबद्ध है।

इतिवृत की दृष्टि से बून्दा मीणा द्वारा प्रतिष्ठित यह नगरी सन् 1241 में हाड़ा नरेश देवा की राजधानी बनी, तदनुपरान्त शताब्दियों पर्यन्त 24 हाड़ा नरेशों की राजधानी रही। राव छत्रशाल्य एक अद्वितीय योद्धा तथा सम्राट शाहजहाँ की सैन्य शक्ति के सर्वोच्च सेनापति थे। शौर्य की श्रृंखला में जयपुर रियासत के अधीन हुई बून्दी नगरी को पुनः प्राप्त करने में जहाँ राव राजा उम्मेद सिंह का नाम उल्लेखनीय हैं, तो इनका यह शासनकाल बून्दी राज्य के लिऐ स्वर्ण युग भी माना जाता हैं। इसी काल मे जहाँ छोटी काशी के रूप में गौरव प्राप्त किया, तो वहीं वंश भास्कर जैसे महाकाव्य की रचना भी हुई। आज भी यहाँ के राजमहल तथा किला इन घटनाओं के मूक साक्षी है। बून्दी दुर्ग के छत्रमहल मे मौजूद ज्योतिष विद्या के यंत्र इस बात की पुष्टि करते हैं कि प्राचीन काल मे बून्दी ज्योतिष व खगोल विद्या का केन्द्र रहा है।

चित्रकला की बूंदी शैली :

यहाँ की चित्रकला शैली के चित्र भारतीय चित्रकला के आदर्श मापदण्ड़ माने गये है। श्रावण–भादों में नाचते हुए मोर बूंदी के चित्रांकन परम्परा में बहुत सुन्दर बन पड़े हैं। यहाँ के चित्रों में नारी पात्र चित्रण में तीखी नाक, बादाम–सी आँखें, छोटे व गोल चहरे आदि मुख्य विशिष्टताएं हैं। स्त्रियाँ लाल–पीले वस्त्र पहने अधिक दिखायी गयी है। बूंदी शैली की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण विशेषता पृष्ठ भूमि के भू–दृश्य हैं। चित्रों में कदली, आम व पीपल के वृक्षों के साथ–साथ फूल–पत्तियों और बेलों को चित्रित किया जाता है। चित्र के ऊपर वृक्षावली बनाना एवं नीचे पानी, कमल, बतख आदि चित्रित करना बूंदी चित्रकला की विशेषता रही है। मुगलों की अधीनता में आने के बाद यहाँ की चित्रकला में नया मोड़ आया। यहाँ की चित्रकला पर उत्तरोत्तर मुगल प्रभाव बढ़ने लगा। राव रत्नसिंह (1631–1658 ई.) ने कई चित्रकारों को दरबार में आश्रय दिया। शासकों के सहयोग एवं समर्थन तथा अनुकूल परिस्थितियों और नगर के भौगोलिक परिवेश की वजह से सत्रहवीं शताब्दी में बूंदी ने चित्रकला के क्षेत्र में काफी प्रगति की। इन्हीं विशिष्टताओं के कारण आज चित्रकला की बूंदी शैली विश्व विख्यात है।

तारागढ़ का दुर्ग :

तारागढ़ का दुर्ग अरावली पर्वत पर स्थित है। इसे बून्दी का किला भी कहा जाता है। 14वीं शताब्दी में बूंदी के संस्थापक राव देव हाडा ने इस सुदृढ़ किले का निर्माण कराया था।

रानी जी की बावड़ी :

ऐशिया प्रसिद्ध रानी जी की बावड़ी सरीखीं कई बावड़ियों तथा कुण्ड़ो ने इसे बावड़ियों के शहर का गौरव भी प्रदान किया है।

बून्दी रियासत 1909 से प्रारंभ हुई हमारे इस स्काउट–गाइड आंदोलन से अछुती नहीं रही है। महारावराजा ईश्वरी सिंह के समय से ही आंदोलन ने व्यापक प्रगति की। वयोवृद्ध कार्यकर्ताओं जैसे स्व. गौरीदत्त दाधीच, रामचन्द्र सक्सैना, हेमचन्द्र सिंह हाड़ा, विश्णुदत्त वैद्य, रामकिशन राजौरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार बून्दी राज्य में स्काउटिंग 1932 से संचालित होना पाया गया हैं, तब भूदेव जी, बैजनाथ जी, चन्द्रदीप सिंह जी गतिविधियों को संचालित करते थे, स्काउट मास्टर को राजकोष से वेतन मिलता था तथा स्काउट पुलिस का कार्य भी करते थे, जैसा वर्तमान मे गृह रक्षा दल करते हैं।

तत्पश्चात 1954 मे ही श्री गिरिराज किशोर दत्त, प्रफुल्लचन्द दास, के.एल. पत्रिया, दीनानाथ, मोमचन्द, रेवतीरमन चतुर्वेदी जैसे कार्यकर्त्ताओं के प्रयासों के अनुरूप "द भारत स्काउट व गाइड" से पंजीकृत होकर बून्दी की स्काउटिंग निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है। वर्तमान मे बून्दी जिलें मे 7 स्थानीय संघ (बून्दी, देई, हिण्ड़ोली, केशोरायपाटन, नैंनवाँ, इन्द्रगढ़ तथा तालेड़ा) सक्रियता से कार्यरत है, जिनमें बून्दी स्थानीय संघ सबसे पुराना तथा मण्ड़ल संघ कोटा के साथ से ही पंजीकृत होकर कार्यरत है।

श्रीराम वाजपेयी स्वतंत्र रोवर स्काउट क्रू,
बून्दी (राजस्थान)

झुंझुनू को मिले पांच नए सहायक लीडर ट्रेनर

भारत स्काउट व गाइड, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित सहायक लीडर ट्रेनर कोर्स में पूरे भारत वर्ष से 36 स्काउट शिक्षकों ने भाग लिया जिसमें राजस्थान प्रदेश से 12 स्काउट यूनिट लीडर्स ने सहायक लीडर ट्रेनर कोर्स में राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी (मध्य प्रदेश) में सहभागिता की।

राजस्थान के 12 लीडर्स में से अकेले झुंझुनूं जिले से 05 ने सहभागिता कर यह योग्यता अर्जित की। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि सहायक लीडर ट्रेनर कोर्स की योग्यता अर्जित करने हेतु इस शिविर में स्थानीय संघ अलसीसर के रामदेव सिंह गढ़वाल, स्थानीय माननगर के विजय गर्वा, स्थानीय संघ बुहाना में ढाका माण्डी स्कूल के नरेश सिंह तंवर, स्थानीय संघ खेतड़ी के चिरंजीलाल शर्मा, स्थानीय संघ नवलगढ़ में परसरामपुरा स्कूल के शिव प्रसाद वर्मा ने उच्च स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त कर यह योग्यता अर्जित की है।

राजस्थान में एक साथ सर्वाधिक सहायक लीडर ट्रेनर बनने पर झुंझुनू के जिला प्रधान गंगाधर सिंह सुंडा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अनसूईया सिंह, सी.ओ. गाइड सुभिता महला, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अलसीसर राजेंद्र सिंह, नवलगढ़ सीबीईओ अशोक शर्मा, एसबीईओ अशोक पूनिया, एडल्ट रिसोर्स कमिश्नर प्रहलाद राय जांगिड़, अन्य शिक्षा अधिकारियों व स्काउट गाइड पदाधिकारियों ने बधाईयां प्रेषित की। सी.ओ. श्री कालावत ने बताया कि अब इनके द्वारा जिले के अन्य शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

हमारा स्वास्थ्य

सेहत खरीदी नहीं जाती

धन साधन है साध्य नहीं

जो स्वास्थ्य और शक्ति प्राप्त करना चाहते हैं, सुख की कामना करते हैं उन्हें 'धन' को जीवन जीने का साधन मानना चाहिए 'साध्य' नहीं। बहुत से लोगों को यह भ्रम है कि स्वास्थ्य, शक्ति, सुख और आनन्द के लिए धन एक अत्यंत आवश्यक वस्तु है, लेकिन वास्तव में इसका मन से अधिक संबंध है।

यदि हमारे विचारों, अभिलाषाओं और हमारे अंतःकरण में इनकी प्राप्ति के लिए दृढ़निश्चय है तो इन्हें प्राप्त करने में धन की कमी हमारे लिए बाधक नहीं हो सकती। स्वास्थ्य और सुख ऐसे दैवीय तत्व हैं, जो संसार के विषम और कलुषित वातावरण से बहुत ऊँचे हैं। धन से सुन्दर, स्वादिष्ट पकवान, मिठाई, भोजन खरीदा जा सकता है, किन्तु 'भूख' नहीं। धन से दवाइयाँ खरीदी जा सकती हैं, किन्तु 'स्वास्थ्य' नहीं। धन से शानदार सुविधापूर्ण बिस्तर खरीदा जा सकता है, किन्तु 'नींद' नहीं। धन से चश्मा खरीदा जा सकता है, किन्तु 'दृष्टि' नहीं। दुनिया में ऐसा कोई पैमाना नहीं है, जिससे आनन्द, स्वास्थ्य, विवेक, प्रेम, निद्रा और शक्ति इत्यादि दैवीय तत्वों का मूल्यांकन किया जा सके। जिन्हें स्वास्थ्य और सुख प्राप्त करना है, उन्हें विशेष रूप से आवश्यकता है सादा भोजन, स्वच्छ/स्वास्थ्यवर्धक वातावरण, प्रसन्नता, सदाचार और व्यायाम की। भोजन ताजा और निर्दोष होने के अतिरिक्त उसे सुरूचिपूर्ण बनाने के साथ स्नेह भी होना चाहिए।

भोजन शाकाहारी तथा सलाद, हरी तरकारियों से युक्त होने पर लाभदायक होता है। संतुलित आहार स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। अधिक भोजन रोगों को बढ़ाने वाला, आयु को घटाने वाला होता है। सुख और स्वास्थ्य के लिए नियमित समय पर खूब चबा–बचाकर, शांतिपूर्वक, सात्विक आहार लेने से शक्ति प्राप्त होती है। दूसरी आवश्यकता स्वच्छ वायु एवं पर्याप्त प्रकाश की है। गंदी–दूषित वायु से बीमारियों के कीटाणु हमारे शरीर में प्रवेश कर स्वास्थ्य को हानि पहुँचाते हैं। आरोग्य, बल तथा उत्तम पाचन शक्ति चाहने वाले मनुष्य को घर में ताजी तथा शुद्ध हवा जितनी ज्यादा हो सके आने देना चाहिए। विशेषकर शयनकक्ष में हवा, प्रकाशयुक्त वातावरण होना चाहिए, क्योंकि व्यक्ति चौबीस घंटों में से एक तिहाई समय शयन में ही व्यतीत करता है। याद रखिए जिस घर में सूर्य का प्रकाश और धूप नहीं पहुँचती, वहीं डॉक्टर और वैद्यराज पधारा करते हैं। धूप की किरणें लाखों डॉक्टरों से अधिक उपयोगी है। मनुष्य को इस बात का गर्व होना चाहिए कि उसका घर हवादार, स्वास्थ्यवर्धक है और उसमें पर्याप्त प्रकाश आता है। सदा शांत और प्रसन्न रहें। प्रसन्नता के प्रत्यक्ष और शीघ्रतम लाभ हैं। सदाचार भी महत्वपूर्ण है, जिनके जीवन में दुराचार है, उनके शरीर में स्वास्थ्य और जीवन में सुख का दर्शन नहीं हो सकता। सबसे ज्यादा जरूरी है व्यायाम, भ्रमण और ध्यान। ये हमें सदा नवजीवन, शक्ति और सुख प्रदान करता है। जिस प्रकार हमें खाने–पीने की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार व्यायाम की भी आवश्यकता होती है। हमारे पास करोड़ों का धन हो, संसार हमारा आदर करता हो, परन्तु यदि हम अस्वस्थ रहते हैं तो यह सब विष के समान है।

सुख धन से कम प्राप्त होता है, किन्तु व्यायाम से सबसे अधिक। व्यायाम से दीर्घायु प्राप्त होने के साथ ही शरीर हल्का रहता है, पाचन शक्ति ठीक रहती है और फेफड़े मजबूत बनते हैं। व्यायाम से मन निरोगी, निर्विकारी और पुष्ट बनता है। इसी प्रकार के लाभ प्रातः या सायंकालीन भ्रमण से प्राप्त होते हैं। नियमित सैर करने से न केवल मांसपेशियाँ मजबूत होती हैं, बल्कि बाजुओं, पेट एवं जाँघों से भी अतिरिक्त चर्बी कम होती है। सुबह की सैर हड्डियों के घनत्व को भी बढ़ाती है।

–प्रातःकाल से साभार

फ्लोराइड और हमारे दाँत

दाँतों के ऊपर एक कड़ा आवरण होता है, यह खनिज पदार्थों का बना होता है, इसे फ्लोराइड कहते हैं। फ्लोराइड की विशेषता यह होती है कि यह दाँत के सड़ने की क्रिया धीमी कर देता है। फ्लोराइड का यह असर इनामेल को खराब होने से रोकता है और खनिज पदार्थों की कमी को पूरा करने में स्वाभाविक मदद करता है।

दाँतों द्वारा चबाए जाने की प्रक्रिया का सूक्ष्म परीक्षण किया जाए तो देखा जा सकता है कि फ्लोराइड कैसे काम करता है और उसका असर क्या होता है। फ्लोराइड मिश्रित पीने का पानी व मंजन फ्लोराइड का अच्छा स्त्रोत है। अगर आपके पीने के पानी में फ्लोराइड न हो, तो डॉक्टर इसके सप्लीमेंट आपको देते हैं।

अगर दाँत के कमजोर भाग पर ध्यान न दिया जाए तो वहाँ छेद बनकर भोजन व मैल इकट्ठा हो जाते हैं व दाँत सड़न फैलाते हैं। यह सड़न अन्य दाँतों में भी फैल सकती है।

दाँत में सड़न सबसे पहले दाँत द्वारा काटी जाने वाली सतह से शुरू होती है और समय पर उपचार न लेने पर दाँत खोखला हो जाता है। फ्लोराइड इस सड़न को रोकता है। अतः दाँतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड युक्त मंजन का इस्तेमाल करें।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'संग्रहकर्ता एवं बागवानी' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

संग्रहकर्ता
COLLECTOR

संग्रह कर संग्रह करने की प्रवृत्ति को ढालने के लिए माचिस के रेपर, विभिन्न प्रकार के टिकिट्स, फोटो, फोटो पोस्ट कार्ड, रंग रंगीले मोती इत्यादि का संग्रह कर जीवन में सामान संजोकर रखना, खेल खेल में ही विकसित होता है।

बुलबुल को इसके लिए निर्देशित करते है कि आप उपरोक्त में रूचिनुसार संग्रह हेतु चयन करें और उन्हें 25 की तादाद में सलीके से व्यवस्थित लॉग करें। इनमें अनाज, सिक्के इत्यादि का चयन भी किया जा सकता है।

निर्देश – सौंपे गये कार्य को तीन माह में ही पूर्ण कर रिपोर्ट करनी होगी। वस्तुनुसार पैकिंग, नाम, उपयोगिता या विशिष्टता के बारे में लिखें।

अन्य विशिष्ट संग्रह को सिनरी, झालर के माध्यम से मोती, कतरन, अनाज को प्रकट किया जा सकता है। अधिकतम सुन्दर प्रकट करने के प्रयास द्वारा बालिकाओं में इस गतिविधि से सृजन व सुव्यवस्था की प्रवृत्ति को विकसित किया जाता है।

संग्रह के पाठ्यक्रम के अतिरिक्त भी अन्य सामग्री के संग्रह को प्रोत्साहित किया जा सकता है, जिसमें छोटी–छोटी कविता, नेताओं के चित्र, ऐतिहासिक स्थलों के चित्रों का संग्रह भी किया जा सकता है।

ध्यान रखने योग्य बातें :-

- तीन माह तक कार्य किया जाए।
- 25 की संख्या में संग्रह करना अनिवार्य है।
- संग्रह की वस्तु विभिन्नता लिए होनी चाहिए।
- अन्न और सिक्कों का संग्रह पॉलीथिन की थैली में पैक करें।
- संग्रह की गई वस्तु के अनुसार ही प्रस्तुति हो जैसे पत्ते, फूल किसी डायरी में कॉलाज (गौंद से चिपकाना) करें।
- वाद्य यंत्रों या आसन हो तो उनके नाम व उपयोग लिखे जाएं।

इन कार्यों को सुव्यवस्थित बनाने के लिए फ्लॉक लीडर के निर्देश की सहायता, आवश्यकता साथ ही श्रेष्ठ प्रस्तुति को बढ़ावा देने के लिए अन्य बुलबुल के सामने उदाहरण व प्रमाण प्रस्तुत करें। उपरोक्त कार्यों द्वारा बालिका की अभिरूचि व अभिवृत्ति का आभास हो जाता है और फ्लॉक लीडर उन्हें उचित मार्ग प्रशस्त करती हैं।

बागवानी
GARDENER

तीन माह वर्षा ऋतु के बागवानी के लिए सर्वाधिक उपयुक्त समय है। पर्यावरण से लगाव प्रकृति से प्रेम के लिए बागवानी बैज बुलबुल में कर्तव्य निष्ठा व प्राणी मात्र की सेवा को जागृत करता है।

बैज को प्राप्त करने के लिए निम्न अपेक्षित है :-

बागवानी दक्षता बैज हेतु 1.50 वर्गमीटर भूखण्ड की तीन माह देखभाल कर उसे अधिक उपजाऊ बनाकर तैयार करना। इस पर तीन तरह की सब्जियों (मौसमानुसार) या फूलदार पौधों का लगाना। किसी क्षेत्र या बाग का चयन करके प्रत्येक वर्ग में चार के नाम जाने (क) वृक्ष या झाड़ियाँ (ख) फूल या सब्जियाँ (ग) खड़ी फसलें या खरपतवार।

पदक प्राप्त करने के लिए क्या करें ?

उपरोक्त द्वारा अन्तर जानना वृक्ष किसका? कैसी पत्तियाँ? कैसी छाल? कैसा उपयोग? फूल और फल किस रंग के आते हैं? फूल या सब्जी किस मौसम में कौनसी आती है? कैसा रंग? कैसा स्वाद होता है? समस्त बातों का समाधान बागवानी कार्य के दौरान मिल जाता है। ऐसे ही फसलों का अन्तर बोध कर सके। ऊँचे घास के रूप में नजर आती फसल या खरपतवार का अन्तर जाने।

- बागवानी के काम में आने वाले उपकरणों को पहचाने व उनके उपयोग कर सके। जैसे फावड़ा, गैंती, बेलचा आदि।
- रेक या अन्य औजार और उनका उपयोग कब करें जाने।
- कम से कम छः पृष्ठ की संग्रह पुस्तिका बनाना जिसमें 12 दबी पत्तियों फूल या सब्जियाँ जिनका संग्रह किया जा सके।
- विद्यालय या सार्वजनिक स्थान में गमला तैयार कर उसे तीन माह देखभाल कर दो चीज उगाएं।
- राई सलाद, मटर, रसदार खरबूजे, तरबूज की तरह के फल का बीज शीशे की नली या ब्लॉटिंग पेपर पर उगाना।

उपरोक्त के पीछे बुलबुल बालिका में बीज से पौधा बनाने की प्रक्रिया को देखना, लगाव उत्पन्न होना, अपनी उपलब्धि व प्रकृति के प्रति रूझान पैदा करना है। ''इको फ्रेण्डली बिहेव करना''।

गतिविधि पञ्चांग

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

नाम शिविर/गतिविधि	स्थान	तिथियां
नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	ग्रुप/स्थानीय संघ/जिला स्तर	प्रति माह
रीजनल लेवल सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग (गाइड/रेंजर)	कोटा	05 से 09.03.2025
ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर सभा	जयपुर	07 से 08.03.2025 तक
दिव्यांग गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2025 तक
अनाथालय गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2025 तक
पालनहार गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2025 तक
अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2025 तक
जनजाति गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2025 तक
ग्रामीण गतिविधियां	ग्रुप/जिला/मण्डल स्तर पर	15.03.2025 तक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत नं. 1	21 से 25.03.2025 तक
सचिव/सर्कल ऑर्गेनाइजर्स सभा	मण्डल स्तर पर	31.03.2025 तक
जिला कार्यकारिणी सभा	जिला स्तर पर	31.03.2025 तक

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
26th International Adventure Programme	02 - 08 March 2025	NTC, Pachmarhi
Re-Orientation Course for Trainers (Guide Wing)	03 - 07 March 2025	NYC, Gadpuri Haryana
Regional Level Ball Mahotsav for Cub-Bulbul	04 - 08 March 2025	Ridmalsar, Bikaner (Raj.)
Guide Conference 2025	27 - 31 March 2025	Sangam, Pune
65th ALT (Guide Wing) Course	22 - 28 April 2025	NTC, Pachmarhi (M.P.)
HWB Course for Flock Leaders	06 - 12 May 2025	NTC, Pachmarhi (M.P.)
HWB Course for Ranger Leaders	06 - 12 May 2025	NTC, Pachmarhi (M.P.)
HWB Course for Guide Captains	06 - 12 May 2025	NTC, Pachmarhi (M.P.)

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
Winter Adventure 2025	06 Jan.- 30 March,2025	Chalet Switzerland
(Choose 4, 6 or 8 Nights of any week From January to March 2025)		
16th World Scout Moot 2025	25 July - 03 August, 2025	Lisboa, Portugal
28th Asia-Pacific Regional Scout Conference	12 - 17 October, 2025	Kaohsiung, Taiwan
26th World Scout Jamboree-Poland	30 July - 08 August 2027	Gdansk, Northern Poland

National Headquarters website : www.bsgindia.org

डायमंड जुबली जम्बूरी की झलकियाँ

राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य जम्बूरी में राजस्थान दिवस पर संबोधित करते हुए

सम्मेलन शिविर में शिरकत करते हुए जयपुर जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी तथा राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन

राज्य मुख्य आयुक्त के समक्ष जम्बूरी के संभागी अपने कार्यों की प्रदर्शनी का अवलोकन कराते एवं लोक नृत्य का प्रदर्शन करते हुए

डायमंड जुबली जम्बूरी, त्रिची (तमिलनाडु) में सर्वाच्च अवार्ड चीफ नेशनल कमिश्नर शील्ड प्राप्त करता राजस्थान दल एवं प्राप्त अवार्ड्स को हर्षोल्लास के साथ प्रदर्शित कर अपनी खुशी का इजहार करते हुए राजस्थान दल के सदस्य

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835
प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti https://rajscoutguide.org/